प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी
सांध्य दैनिक
यूनिक समय
RNI-UPHIN/2023/85053
डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com
Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com
वर्ष-3 | अंक-289 | मथुरा, शनिवार, 13 दिसंबर 2025 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

भिक्षावृत्ति अपराध होने के बाद भी हजारों लोग मांग रहे हैं भीख

बढ़ती भिक्षावृत्ति श्रद्धालुओं की आस्था और छवि पर भारी

भूतेश्वर मंदिर के बाहर बैठे भिखारी

पढ़े लिखे लोग भी नौकरी छोड़ लगे हैं इस धंधे में

मंदिरों की नगरी में बच्चों से लेकर महिला व वृद्ध तक मांग रहे हैं भीख

वृंदावन और गोवर्धन मार्ग पर सबसे ज्यादा स्थिति गंभीर

प्रशासनिक सख्ती और पुनर्वास की जरूरत

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। भिक्षावृत्ति भले ही अपराध की श्रेणी में आती है, लेकिन आज इस धंधे में लगे लोगों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। भीख मांगने के इस धंधे में बच्चों से लेकर महिला, बुजर्ग और नौजवान तक लगे हुए हैं। मथुरा एक धार्मिक नगरी है। यहां इतने मंदिर और ऐसे स्थान हैं जहां पर हजारों की संख्या में लोग मंदिरों में दर्शन करने के लिए आते हैं। खास कर वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर सहित अन्य मंदिर हैं जहां आपको हर उम्र का भिखारी भिक्षावृत्ति करता नजर आ जाएगा। गोवर्धन परिक्रमा मार्ग में भीख मांगने वाले बड़ी संख्या में भीख मांगते दिखाई देंगे। इसके साथ ही नंदगाव, बरसाना, गोकुल, दाऊजी सहित दूसरे मंदिरों पर भीख मांगने वाले भिखारियों की संख्या हजारों में है। मंदिर पर दर्शन को आने वाले श्रद्धालुओं से कुछ भिखारी तो उनका तब तक पीछा नहीं छोड़ते हैं जब तक श्रद्धालु उसे कुछ न कुछ दे नहीं देता। इस तरह मंदिर सहित अन्य स्थानों पर भीख मांगने वाले भिखारियों के व्यवहार से दूसरे राज्यों से आने वाले श्रद्धालु काफी आहत होते हैं। इससे भगवान श्री कृष्ण की नगरी की छवि पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

इस धंधे में हल्दी लगे न फिटकरी रंग चोखा आ रहा है

यूनिक समय, मथुरा। भिक्षावृत्ति का धंधा तो ऐसा धंधा है इसमें हल्दी लगे न फिटकरी रंग चोखा ही आता है। इस व्यापार में न पैसा लगाने की आवश्यकता है और बिजनेस में कोई घाटे की संभावना। भीख मांगने के धंधे में आपको कुछ करना नहीं है। सिर्फ आपको गरीबी का ढौंग करके लोगों के आगे हाथ पसारना है। अगर आपने अपनी मुद्रा को इस तरह लोगों के सामने प्रस्तुत कर दिया कि आप वाकई में बहुत जरूतमंद हैं तो ये सोने पर सुहागा होगी और आप लोगों से अच्छी खासी भीख की आमदनी हो जाएगी।

पढ़े लिखे युवकों से अधिक की कर रहे हैं भिखारी कमाई

यूनिक समय, मथुरा। भिक्षावृत्ति के धंधे से जुड़े एक युवक से बातचीत हुई तो उसने कुछ इस तरह कहा कि सुनकर जोर का झटका लगा। पढ़ लिख कर नौकरी करने वाले युवकों से ज्यादा वह भीख मांग कर कमा लेता है। एक पढ़ा लिखा युवक नौकरी करके तीस–पैंतीस हजार रुपये महीने कमाता है। वहीं उसे भीख मांग कर साठ हजार रुपये महीना पड़ जाता है। इसके साथ ही अच्छा खाने पीने को अलग से मिल जाता है। इस धंधे से अच्छी कोई दूसरी नौकरी नही लगी। युवक बीए पास करने के बाद इस धंधे को अपना कर अच्छी कमाई कर रहा है।

भिखारियों के लिए बना बैगर होम भी हो चुका है गायब

यूनिक समय, मथुरा। भिक्षावृत्ति में लगे भिखारियों को भीख मांगने से रोकने के लिए पहले सेठवाड़ा में एक बैगर होम था। इस बैगर होम में पुलिस भिखारियों को पकड़ कर बंद करती थी। यहां इन भिखारियों से काम कराया जाता था, लेकिन इस बैगर होम में अब कोई भिखारी नजर नहीं आता है।

धार्मिक नगरी की छवि हो रही है खराब

यूनिक समय, मथुरा। मंदिरों और अन्य धर्मिक स्थलों पर भीख मांग कर मथुरा की छवि को खराब करने वाले भिखारियों के खिलाफ कार्रवाई करके बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के मन में धर्मिक नगरी की खराब होने वाली छवि को ठीक करना होगा।

मथुरा के आशुतोष चतुर्वेदी सूचना आयुक्त नियुक्त

दिल्ली ब्यूरो

यूनिक समय, नई दिल्ली /मथुरा। केंद्र सरकार ने वरिष्ठ पत्रकार पीआर रमेश और आशुतोष चतुर्वेदी को केंद्रीय सूचना आयोग में सूचना आयुक्त नियुक्त किया है। गौरतलब है कि सूचना आयुक्त नियुक्त हुए आशुतोष चतुर्वेदी मथुरा के मूल निवासी हैं, यहीं से शिक्षित हैं। उनके पिताजी स्व. एमसी चतुर्वेदी भी केआर कॉलेज, मथुरा के अर्थशास्त्र के विभागाध्यक्ष तथा प्रवक्ता थे। आशुतोष जन सांस्कृतिक मंच मथुरा के संस्थापक सदस्यों में से एक थे। वह अमर उजाला, बीबीसी हिंदी तथा प्रखर प्रभात, रांची/ रायपुर (समाचारपत्र) के लिए भी उच्च पदों पर अपना गरिमामयी योगदान दे चुके हैं। इस प्रतिष्ठित व उच्च पद पर उनका चयन मथुरा जनपद एवं जन सांस्कृतिक मंच, मथुरा के लिये हर्ष व गौरव की बात है। बताते चलें कि दोनों नियुक्त व्यक्तियों के पास मीडिया, सार्वजनिक मामलों और लोकतांत्रिक चर्चा में दशकों का अनुभव है, वे पारदर्शिता, शासन और नागरिकों के अधिकारों की गहरी समझ रखने वाले पेशेवर हैं। गौरतलब है कि केंद्रीय सूचना आयोग सूचना के अधिकार (आटीआई) की रक्षा करने, सार्वजनिक संस्थानों में जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पर्यवेक्षकों का मानना है कि नए सूचना आयुक्तों की पत्रकारिता पृष्ठभूमि आयोग की सूचना तक पहुंच, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सार्वजनिक हित के प्रति संवेदनशीलता को मजबूत करेगी। इन नियुक्तियों के साथ, सरकार ने आयोग में प्रमुख सहित सभी नौ रिक्तियों को भर दिया है। वर्तमान में सीआईसी में आनंदी रामलिंगम और विनोद कुमार तिवारी ही दो सूचना आयुक्त हैं।

विदेशी बैंक खातों में रुपये भेजने वालों पर आयकर का शिकंजा

कई देशों की बैंकों ने आयकर विभाग को सूचना दी

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। कई देशों की बैंकों की ओर से भेजी गई सूचना के आधार पर आयकर विभाग अलर्ट मोड पर आ गया है। सूचना में बताया गया है कि यूपी के कई शहरों से विदेशों में रकम भेजी गई है। उन्होंने संदिग्ध लेनदेन या संदिग्ध व्यक्ति होने की आशंका जताई है। सबसे ज्यादा नोएडा और गाजियाबाद से विदेशी खातों में रकम भेजी गई हैं। बताते चलें कि विदेश में प्रापर्टी लेने वाले, इक्विटी, विदेशी शेयर बाजार में पैसा लगाने वाले, विदेश से रकम के लेनदेन और विदेश के कंपनी में निवेश करने वाले आदि की निगरानी आयकर विभाग की फॉरेन एसेट्स इंटेलीजेंस यूनिट (एफएआईयू) करती है। यूनिट के अफसर ब्लैक मनी एक्ट 2015 के तहत निगरानी करते हैं। 16 साल तक के पुराने मामलों की फाइल अफसर खोल सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, शिकायत के आधार पर, छापे के दौरान मिले इनपुट, मुखबिर की सूचना पर, देसी, विदेशी जांच एजेंसियों से मिले इनपुट के आधार पर अफसर आगे की कार्रवाई कर सकेंगे। जो जानकारी विदेश के बैंकों के जरिए दी गई है उन्होंने संदिग्ध बताया है। ऐसे में नोटिस भेजे गए हैं। विदेश में रकम भेजने का श्रोत व उद्देश्य को सबूत के साथ विभाग को देने के निर्देश दिए गए हैं। दरअसल विदेश में निवेश करने वाले भारतीय को आईटीआर में विदेशी संपत्ति का खुलासा अनिवार्य है। विदेश में रकम खपाने वाले लोगों की पड़ताल में यूनिट लग गई है। यह ऐसे लोग हैं जिन्होंने आयकर विभाग को बिना जानकारी दिए विदेश स्थित बैंक में खाते खोले हैं और रकम ट्रांसफर की है। जिन लोगों ने आयकर विवरणी में विदेश के बैंकों में खाते खोलने की जानकारी नहीं दी है। उन पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया जा रहा है।

आयकर के उच्च पदस्थ सूत्रों के मुताबिक विदेश के बैंक से आयकर की क यूनिट को भारतीयों द्वारा खाते खोलने और निवेश करने की जानकारी मिली है। जांच में सबसे ज्यादा अधिकारी और कारोबारी शामिल हैं। दरअसल, विदेश में रकम भेजने पर और वहां खाता खोलने का जिक्र आयकर रिटर्नों में किया जाता है लेकिन विभाग को जो जानकारी दी गई कि उसमें इनका जिक्र नहीं किया गया है।

संगठन की कमान

नामांकन के साथ खत्म हुआ सस्पेंस

पंकज चौधरी होंगे यूपी भाजपा के नए अध्यक्ष

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश भाजपा को नया प्रदेश अध्यक्ष मिलना तय हो गया है। केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने शनिवार को लखनऊ स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में अपना नामांकन दाखिल किया। उनके अलावा किसी अन्य नेता ने नामांकन नहीं किया, जिससे उनका निर्विरोध अध्यक्ष चुना जाना लगभग तय हो गया है। औपचारिक घोषणा रविवार को लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल द्वारा की जाएगी।

पंकज चौधरी के नामांकन के प्रस्तावक के रूप में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक सहित कुल 10 वरिष्ठ नेता शामिल रहे। इससे साफ हो गया कि संगठन और सरकार दोनों में उन्हें मजबूत समर्थन हासिल है। वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के करीबी नेताओं में गिने जाते हैं। उधर, गोरखपुर में जब पंकज चौधरी की मां उज्ज्वला को बेटे के प्रदेश अध्यक्ष बनने की जानकारी मिली तो वह भावुक हो गईं। बातचीत के दौरान उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। उन्होंने कहा कि बेटे की तरक्की ही उनके लिए सबसे बड़ा आशीर्वाद है।

दिनभर प्रदेश अध्यक्ष के नाम को लेकर सस्पेंस बना रहा। सुबह साध्वी निरंजन ज्योति के पार्टी कार्यालय पहुंचने से चर्चाएं तेज हो गई थीं। इसके बाद दोपहर में पंकज चौधरी के दिल्ली से लखनऊ पहुंचने पर अटकलें और बढ़ीं। मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने संकेत देते हुए कहा कि नया अध्यक्ष सात बार सांसद रह चुका है और अपने समाज में लोकप्रिय है, जिससे तस्वीर लगभग साफ हो गई। पंकज चौधरी गोरखपुर मंडल के महाराजगंज से सात बार सांसद रह चुके हैं और ओबीसी वर्ग की कुर्मी बिरादरी से आते हैं। प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति जनवरी में होनी थी, लेकिन लगातार चुनावी व्यस्तताओं के कारण यह प्रक्रिया टलती रही। अब नामांकन के साथ ही लंबे इंतजार का अंत हो गया है और भाजपा को नया प्रदेश नेतृत्व मिलने जा रहा है।

जिला अस्पताल में दिव्यांग शौचालय, ट्रॉमा विंग व बर्न वार्ड पर लटके मिले ताले

आपातकालीन सेवाओं पर जिला अस्पताल का ताला

मरीजों को झेलनी पड़ रही अव्यवस्थाएं

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। महर्षि दयानंद सरस्वती जिला अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं की पोल उस समय खुल गई, जब यूनिक समय की टीम ने अस्पताल का आंखों देखा हाल जाना। अस्पताल परिसर में बने दिव्यांग शौचालय, ट्रॉमा विंग और बर्न वार्ड पर ताले लटके मिले। यदि यही हालात बने रहे तो ये जरूरी सुविधाएं जल्द ही अपनी बदहाली पर आंसू बहाती नजर आएंगी। अस्पताल में आने वाले लोगों की मानें तो दिव्यांगों के लिए बनाए गए शौचालय आमतौर पर बंद रहते हैं। ट्रॉमा विंग और बर्न वार्ड भी अधिकतर समय ताले में कैद रहते हैं। सबसे गंभीर सवाल यह है कि यदि अचानक किसी बर्न वार्ड के मरीज को लाया जाता है, तो उसे तत्काल कहां रखा जाएगा? मौजूदा लोगों और तीमारदारों का कहना है कि कभी चाबी नहीं मिलती, तो कभी संबंधित स्टाफ मौके से नदारद रहता है। ऐसे में आपातकालीन मरीजों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

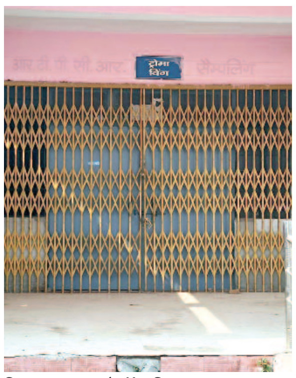

जिला अस्पताल में ट्रॉमा विंग पर ताला लगा हुआ।

जिला अस्पताल बर्न वार्ड पर लटका ताला।

जिला अस्पताल स्थित दिव्यांग शौचालय पर लटके ताले का नजारा।

जिला अस्पताल में मरीज बेड पर लेटे हुए।

यूनिक समय टीम ने जब अस्पताल में मौजूद लोगों से बातचीत की तो बताया गया कि दिव्यांग शौचालय केवल तब खोले जाते हैं, जब कोई दिव्यांग व्यक्ति आता है। स्टाफ का तर्क है कि आम लोग शौचालय का गलत इस्तेमाल करते हैं, इसलिए उन्हें बंद रखा जाता है। हालांकि, यह व्यवस्था दिव्यांगों की सुविधा के उद्देश्य पर ही सवाल खड़े करती है। इसके अलावा अस्पताल परिसर में कई अन्य भवन भी लंबे समय से बंद पड़े हैं, जिनमें कबाड़ तक भरा हुआ दिखाई दिया। वहीं दूसरी ओर, वार्ड में भर्ती कुछ मरीजों ने व्यवस्थाओं को लेकर संतोष भी जताया। मरीजों का कहना है कि वर्तमान में वार्ड की भोजन व्यवस्था पहले से बेहतर है। सुबह नाश्ता, दोपहर में रोटी–सब्जी और शाम को भोजन नियमित रूप से दिया जा रहा है। ठंड के मौसम को देखते हुए अस्पताल प्रशासन की ओर से कंबल भी उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे मरीजों को कुछ राहत मिली है। हालांकि मरीजों ने यह भी बताया कि सुबह और शाम की ठंड काफी बढ़ गई है, लेकिन इसके बावजूद अभी तक वार्डों में रूम हीटर की व्यवस्था नहीं की गई है। ठंड से बचाव के पर्याप्त इंतजाम न होने के कारण मरीजों, खासकर बुजुर्गों और बच्चों को परेशानी हो रही है। एक ओर भोजन और कंबल जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हैं, तो दूसरी ओर आपातकालीन सेवाओं से जुड़े महत्वपूर्ण वार्ड और दिव्यांग सुविधाएं ताले में बंद हैं।

लोकतंत्र के मंदिर की रक्षा करते हुए प्राण न्योछावर करने वाले को नमन

ग्राम हरीपुरा में शहीद सैनिक घनश्याम पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते भाजपा जिलाध्यक्ष निर्भय पांडेय समेत अन्य।

यूनिक समय, कोसीकलां। संसद हमले में शहीद हुए गांव हरीपुरा निवासी घनश्याम पटेल की पुण्यतिथि पर विभिन्न राजनैतिक दल के नेताओं ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान परिजनों ने हवन का आयोजन कर उन्हें नमन किया। गौरतलब है कि वर्ष 2001 में आतंकियों द्वारा संसद पर हमला कर दिया था। इस दौरान आतंकियों से लोहा लेते हुए गांव हरीपुरा निवासी कांस्टेबल घनश्याम पटेल शहीद हो गये थे। शनिवार को उनकी पुण्यतिथि पर लोगों ने गांव पहुंचकर प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। भाजपा जिलाध्यक्ष निर्भय पांडेय ने कहा कि शहीद की याद को कभी नहीं भुलाया जा सकता। पुत्रों ने कहा कि वह अपने पिता के साथ उन वीर जवानों को कोटि–कोटि नमन करते हैं, जिन्होंने लोकतंत्र के मंदिर की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्योछावर कर दिए थे। इस मौके पर भाजपा नेता रघुवर तोमर, ग्राम प्रधान कृपाल सिह, राधे नारायण भारद्वाज, अन्नु वैद्य, परिजन ब्रजेश, रवि, राहुल, संजय, छज्जूराम एवं मनीराम आदि मौजूद रहे।

स्वास्थ्य परीक्षण शिविर संपन्न

यूनिक समय, वृंदावन। श्री श्रीमां आनंदमई संघ द्वारा संचालित श्री श्री मां आनंदमई चैरिटेबल होम्योपैथिक चिकित्सालय ने श्री निंबार्क जूनियर हाई स्कूल विहार घाट के छात्र–छात्राओं का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं औषधि व फल, मिष्ठान वितरण किया।

इसमें मां आनंद मयी आश्रम के महासचिव श्यामल ब्रह्मचारी महाराज एवं आनंदमई आश्रम के सचिव कृपानंद बाजपेई, श्रीमती प्रभा बाजपेई, संस्थान के सदस्य घनश्याम सिंह एवं राधेश्याम आदि उपस्थित थे। श्री अरविंद शर्मा चिकित्सालय केंद्र का सहयोग रहा। वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. राजा कविराज ने छात्र–छात्रा एवं अध्यापकों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाएं प्रदान की। प्रधानाचार्य ब्रज किशोर त्रिपाठी ने सभी का सम्मान किया। श्री श्री मां आनंदमई चैरिटेबल के सदस्य घनश्याम सिंह ने आभार जताया।

हड़ताली ई–रिक्शा चालकों की लड़ाई में सपा का साथ

हड़ताली ई रिक्शा चालकों का समर्थन करने पहुंचे सपा बाबा साहब अम्बेडकर वाहिनी के महानगर अध्यक्ष रमेश सैनी के साथ कार्यकर्ता।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। समाजवादी पार्टी बाबा साहब अम्बेडकर वाहिनी के महानगर अध्यक्ष रमेश सैनी के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधि मंडल ने धौलीप्याऊ स्थित रेलवे ग्राउंड पर पहुंचकर आंदोलित चालकों का समर्थन किया। महानगर उपाध्यक्ष देवेन्द्र निषाद ने कहा कि हर समाजवादी पीड़ित ऑटो रिक्शा एवं ई–रिक्शा चालकों को न्याय दिलाने के लिए उनके साथ खड़ा है। बाबा साहब अम्बेडकर वाहिनी के महानगर अध्यक्ष ने कहा कि समाजवादियों ने हमेशा अन्याय के खिलाफ न्याय की लड़ाई में पीड़ित, शोषितों का साथ दिया है। कहा कि नगर निगम द्वारा ऑटो रिक्शा एवं ई–रिक्शा चालकों से टैक्स के नाम पर की जा रही अवैध वसूली व शोषण के खिलाफ 15 दिसम्बर को पूर्वाह्न 11 बजे से धरना स्थल छात्रावास वट वृक्ष से जिलाधिकारी कार्यालय तक प्रदर्शन कर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

इस दौरान महानगर उपाध्यक्ष देवेन्द्र निषाद, मजदूर सभा के महानगर अध्यक्ष मुकेश सैनी, एडवोकेट विकास कुमार, मुकेश नेताजी, राजकुमार दिवाकर, योगेन्द्र शास्त्री, श्याम सिंह, राजसिंह, थान सिंह, अशरफ, कपिल, शोहिल, मुकेश सैनी एवं रवि सैनी आदि मौजूद थे।

सावधान मथुरा में साइबर अलर्ट, सावधानी और सतर्कता ही मात्र बचाव

फोन पर आए शादी के कार्ड से खाली हो सकता है बैंक खाता

विशेष संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। साइबर ठगी के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। शादी–विवाह के सीजन को देखते हुए साइबर अपराधियों ने ठगी का नया तरीका अपनाया है। अब ठग अनजान नंबरों से मोबाइल पर शादी का कार्ड, सरकारी सूची या किसी योजना से जुड़ी फाइल भेज रहे हैं। यह फाइल दिखने में सामान्य होती है, लेकिन एक क्लिक करते ही आपका मोबाइल हैक हो सकता है और बैंक खाता खाली हो सकता है।

मथुरा पुलिस के अनुसार, कई मामलों में लोगों के मोबाइल पर शादी के कार्ड के नाम से एपीके फाइल भेजी जा रही है। लोग इसे असली निमंत्रण समझकर खोल लेते हैं और यहीं से साइबर ठग मोबाइल पर नियंत्रण पा लेते हैं। इसके बाद ओटीपी, बैंक विवरण और निजी जानकारियां चुरा ली जाती हैं। मथुरा के साइबर सेल अधिकारियों ने बताया कि एपीके फाइल एक तरह का जासूसी और नुकसानदायक एप होता है, जिसे मोबाइल में इंस्टॉल करते ही ठग कैमरा, माइक्रोफोन, मैसेज, गैलरी और ओटीपी तक की पहुंच हासिल कर लेते हैं। खास बात यह है कि यह फाइल मोबाइल में इंस्टॉल होने के बाद कोई आइकन भी नहीं दिखाती, जिससे पीड़ित को शक नहीं होता। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी अनजान नंबर से शादी का कार्ड, किसान योजना, सूची या किसी करंट मुद्दे से जुड़ी फाइल आए, तो उसे बिल्कुल न खोलें। खासतौर पर एपीके फाइल पर क्लिक करना बेहद खतरनाक हो सकता है। मथुरा पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सतर्कता ही साइबर ठगी से बचाव का सबसे बड़ा हथियार है।

बचाव के उपाय

- अनजान नंबर से आई किसी भी फाइल या लिंक पर क्लिक न करें।
- व्हाट्सएप और ईमेल पर आए संदिग्ध संदेशों से सावधान रहें।
- मोबाइल में एंटी वायरस और सुरक्षा ऐप जरूर रखें।
- व्हाट्सएप पर दो–स्तरीय सत्यापन चालू रखें।
- साइबर ठगी होने पर तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं।

आंझई–छाता डाउन लाइन का फाटक संख्या 539 कल बंद रहेगा

यूनिक समय, मथुरा। आगरा मंडल के आंझई–छाता डाउन लाइन में फाटक संख्या–539 किमी 1421/14–16 14 दिसंबर को पीक्यूआरएस कार्य होने के कारण रोड ट्रैफिक के लिए सुबह 09:00 बजे से सायं 17:00 बजे तक बंद रहेगा, यह कार्य समपार पर सड़क यातायात रोके बिना नहीं किया जा सकता है। यह कार्य सुरक्षा की दृष्टि से अति आवश्यक है। गेट बन्द के दौरान रेल सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सड़क यातायात का वैकल्पिक मार्ग फाटक सं. – 539 से गुजरने वाले वाहनों को फाटक सं.537 मार्ग से गुजारने की व्यवस्था की गयी है।

बाल श्रम पर सख्ती सिर्फ कागजों तक

बच्चे मजबूरी में काम करने को मजबूर

नाबालिग बच्चे बारात के लिए फूल का झाड़ उठाते हुए।

नाबालिगों से काम कराने पर सख्ती के दावे खोखले

बारात में मासूम बच्चों से कराई गई फूलों की छतरी की व्यवस्था

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में प्रशासन लगातार नाबालिग बच्चों से काम कराने पर रोक लगाने के लिए अभियान चला रहा है। विभिन्न विभागों की संयुक्त कार्रवाई में बीते दिनों कई प्रतिष्ठानों, दुकानों, ढाबों और वेंडिंग स्टॉल पर नाबालिग बच्चे कार्य करते हुए पकड़े भी गए थे। इसके बाद संबंधित संचालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। प्रशासन ने साफ निर्देश दिए हैं कि बाल श्रम किसी भी रूप में स्वीकार नहीं किया जाएगा, फिर चाहे वह व्यावसायिक प्रतिष्ठान हों या आयोजन स्थल। इसके बावजूद शहर में हालात में कोई खास सुधार दिखाई नहीं दे रहा है। प्रशासन के हर निर्देश और चेतावनी को नजरअंदाज करते हुए लोग नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ा रहे हैं। इसी का ताजा उदाहरण बीती रात्रि देखने को मिला, जब एक बारात चढ़ाई जा रही थी।

समारोह में फूलों की छतरी लिए हुए कई छोटे–छोटे मासूम बच्चे नजर आए। इनमें कुछ तो ऐसे थे, जिनकी उम्र 10–12 वर्ष से भी कम प्रतीत हो रही थी। स्थानीय लोगों ने बताया कि कई बार आयोजकों को समझाया जाता है कि शादी समारोहों में लाइट, डीजे या सजावट का काम बच्चों से न कराया जाए, लेकिन सस्ते मजदूर की तलाश में ठेकेदार अक्सर नाबालिग बच्चों को ही काम पर लगा देते हैं। शहर के कई क्षेत्रों में इस तरह के दृश्य आमतौर पर देखे जा सकते हैं, जिससे साफ है कि प्रशासन की सख्ती का प्रभाव जमीन पर उतना नहीं दिख पा रहा है। प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे अभियानों में श्रम विभाग, पुलिस और बाल संरक्षण इकाई द्वारा संयुक्त निरीक्षण किए जाते हैं। हाल ही में कई जगह संचालकों पर अर्थदंड लगाने के साथ ही नोटिस भी जारी किए गए हैं। अधिकारियों ने यह भी चेतावनी दी है कि यदि किसी आयोजन में या किसी व्यवसाय में नाबालिग बच्चे कार्यरत पाए गए तो संबंधित व्यक्ति पर कड़ी धाराओं में कार्रवाई की जाएगी।

इसके बावजूद शहर में जागरूकता का अभाव साफ नजर आता है। विशेषज्ञों का कहना है कि केवल कार्रवाई से समस्या खत्म नहीं होगी, बल्कि लोगों में यह समझ विकसित करनी होगी कि बाल श्रम बच्चों के भविष्य के साथ गंभीर खिलवाड़ है। नाबालिग बच्चों से काम कराने से उनकी शिक्षा प्रभावित होती है और वे मानसिक व शारीरिक रूप से भी कई जोखिमों का सामना करते हैं। शहरवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे आयोजनों पर विशेष निगरानी रखी जाए, जहां बच्चों को सस्ते श्रमिक के रूप में लगाया जाता है। साथ ही आम नागरिकों से भी अपील की गई है कि वे किसी भी स्थान पर नाबालिग बच्चे को काम करते देखें तो तत्काल इसकी सूचना दें, ताकि बाल श्रम को प्रभावी रूप से रोका जा सके। मथुरा में बाल श्रम पर रोक के दावे भले ही कागजों पर सक्रिय दिखाई देते हों, लेकिन वास्तविकता यह है कि अभी भी बड़ी संख्या में बच्चे मजबूरी या ठेकेदारों की लापरवाही के कारण काम करने को विवश हैं। जागरूकता, सख्ती और समाज की जिम्मेदारी–इन तीनों के मिलकर ही बाल श्रम को पूरी तरह रोका जा सकता है।

छाता में समाधान दिवस में एसडीएम ने सुनी शिकायतें

छाता कोतवाली में लगे समाधान दिवस के दौरान लोगों की समस्या सुनते अधिकारी।

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। शनिवार को छाता कोतवाली पर एसडीएम वैभव गुप्ता की अध्यक्षता में थाना समाधान दिवस आयोजित हुआ। तहसीलदार सचिन पवार, पुलिस क्षेत्राधिकारी छाता भूषण वर्मा अन्य अधिकारियों ने शिकायतकर्ताओं को सुना। अधीनस्थों को समस्याओं के जल्द निस्तारण के आदेश दिए। थाना दिवस में ज्यादातर परिवार से जुड़े हुए मामले आए। उप निरीक्षक सुकुन वेदवान ने आपसी समझौते के लिए लोगों को प्रेरित किया। उप जिलाधिकारी ने बताया कि थाना दिवस में प्राप्त होने वाली फरियादियों की समस्या का त्वरित समाधान किया गया।

राया में रक्तदान शिविर कल

यूनिक समय, राया (मथुरा)। मां वैष्णो फाउंडेशन के तत्वावधान में लाइफ केयर ब्लड बैंक के सहयोग से रक्तदान शिविर सादाबाद मार्ग स्थित श्री बांके बिहारी मैरिज होम में 14 दिसंबर को सुबह दस बजे से सायं चार बजे तक लगेगा।

पत्रिका का विमोचन कल

यूनिक समय, वृंदावन। पत्रिका 'कला वसुधा' के लोकनाट्यः 'रासलीला परंपरा के उद्भव, उन्नयन एवं विकास' विषयाधारित 49वें एवं 50वें अंक के प्रथम व द्वितीय प्रसंग का विमोचन वेणुनाद कला केंद्र एवं श्री निम्बार्क जूनियर हाईस्कूल के संयुक्त तत्वावधान में 14 दिसम्बर को पूर्वाह्न 11 बजे वृन्दावन स्थित श्री निम्बार्क जूनियर हाईस्कूल, विहार घाट, परिक्रमा मार्ग में होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ठा. राधारमण मंदिर के सेवायत आचार्य आलोक कृष्ण गोस्वामी होंगे।

ऑटो चालक हड़ताल पर, यात्री हुए परेशान

नारेबाजी करते राया में ऑटो चालक।

यूनिक समय, राया (मथुरा)। राया–मथुरा मार्ग पर सवारियां लेकर चलने वाले ऑटो चालकों ने राया में नगर निगम मथुरा और ट्रैफिक पुलिस की मनमानी को लेकर आज राया–मथुरा मार्ग पर ऑटो खड़े रखकर हड़ताल पर रहे। इस दौरान आने जाने वाले यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। ऑटो चालकों ने बताया कि नगर निगम मथुरा द्वारा ऑटो चालकों पर मनमाना टैक्स लगा देना और आये दिन ट्रैफिक पुलिस द्वारा कागज पूरे होने के बावजूद भी सवारियां उतारते समय या बैठाकर लाते समय चालान काट देते हैं। इसके विरोध में ऑटो यूनियन चालकों ने कस्वे के गणेशबाग मैदान में अपने अपने ऑटो खड़ेकर विरोध प्रदर्शन किया। छह सूत्रीय ज्ञापन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को दिया। इस दौरान राजू, भूपेंद्र, कन्हैया, जीतू, कृष्णा, नीरज, रामगोपाल, भूरा लाला, असगर, चन्दो, राकेश, बन्टी, मूलचंद तथा अमित आदि मौजूद थे।

सड़क पर हंगामा कर रहे ऑटो चालकों को पुलिस ने पकड़ा

यूनिक समय, राया (मथुरा)। राया में ऑटो चालकों द्वारा की गयी हड़ताल के दौरान राया–मथुरा मार्ग पर हंगामा करते दो ऑटो चालकों को पुलिस ने पकड़ लिया। हड़ताल के चलते कुछ ऑटो चालक सवारियां भरकर ले जा रहे थे। इसकी जानकारी होते ही कुछ ऑटो चालक हंगामा करने लगे। हंगामा की जानकारी होते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। इस दौरान पुलिस ने हंगामा करते हुए दो ऑटो चालकों को पकड़ लिया और थाना राया ले गयी।

सुबह-सुबह आबादी के पास आया हल्का कोहरा

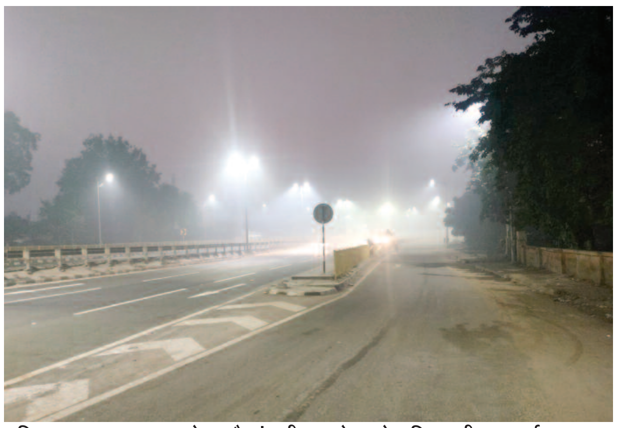
शनिवार सुबह-सुबह हल्का कोहरा और धुंध की वजह से कुछ ऐसा दिखा राष्ट्रीय राजमार्ग का नजारा।

अधिकतम तापमान में आई कमी

यूनिक समय, मथुरा। सुबह-सुबह कोहरा और धुंध की वजह से धूप देरी से निकली तो अधिकतम तापमान में भी एक डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज की गई। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास और न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

अगले सप्ताह से बढ़ेगी ठंड

यूनिक समय, मथुरा। मौसम विभाग ने जनपद से जुड़ा मौसम का पूर्वानुमान जारी किया है। अगले सप्ताह से सर्दी में बढ़ोतरी होने की संभावना जताई है। मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार के अनुसार, न्यूनतम तापमान के 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे आने पर सर्दी बढ़ जाएगी।

संवाददाता

मौसम में आए बदलाव से अधिकतम तापमान में आई एक डिग्री सेल्सियस की कमी

यूनिक समय, मथुरा/फरह। मौसम में बदलाव आ रहा है। इस सीजन में शनिवार सुबह-सुबह आबादी के आसपास हल्का कोहरा और धुंध छाई रही, धूप भी देरी से खिली। मौसम में आए बदलाव की वजह से अधिकतम तापमान में एक डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज की गई है, जबकि न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रहा।

दिसंबर माह का दूसरा सप्ताह चल रहा है, लेकिन सर्दी में जोरदारी नजर नहीं आ रही है।

न्यूनतम और अधिकतम तापमान भी कम नहीं हो रहा है। आज सुबह-सुबह आबादी के आसपास हल्का कोहरा और धुंध छाई रही, लेकिन यह आवागमन में कोई अड़चन पैदा नहीं कर सकी। वाहन भी सड़कों पर अपनी गति से चलते रहे। ऐसे मौसम की वजह से सुबह जरूर बयार चलने की वजह से सर्दी महसूस हुई, धूप भी देरी खिली। इसके बाद दिन चढ़ने लगा तो धूप भी अच्छी खिली और लोगों को राहत मिली।

दिसंबर में कड़ाके की सर्दी गायब कमजोर मौसमी हलचल बनी वजह

यूनिक समय, मथुरा। दिसंबर का आधा महीना बीतने के बावजूद सर्दी का असर इस बार अपेक्षाकृत कम नजर आ रहा है। दिन का तापमान लगातार सामान्य से तीन से चार डिग्री अधिक बना हुआ है, जबकि रात का पारा भी गिरने के बाद दोबारा तेजी से बढ़ा है। बीते दिनों तापमान स्थिर रहा जिससे शीतलहर जैसी स्थिति नहीं बन पाई। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, इसकी सबसे बड़ी वजह पूरे महीने कमजोर मौसमी हलचल का सक्रिय रहना है। पहाड़ी इलाकों में पर्याप्त बर्फबारी नहीं होने से उत्तर से आने वाली ठंडी हवाएं मैदानी क्षेत्रों तक नहीं पहुंच सकीं।

मौसम शुष्क बना हुआ है और वातावरण में नमी की कमी के कारण ठिठुरन भी महसूस नहीं हो रही है। यही कारण है कि रात का तापमान अब सामान्य के आसपास बना हुआ है। मौसम केंद्र के अनुसार नवंबर के बाद कोई मजबूत सिस्टम नहीं बना। मौसमी हलचल कमजोर रहने के कारण पहाड़ों पर बर्फबारी नहीं हुई और मैदानी इलाकों में शीतलहर का असर नहीं दिखा। अगले कुछ दिनों तक मौसम शुष्क रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार 18 दिसंबर के बाद एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा।

इसके प्रभाव से पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी बढ़ने और उत्तर प्रदेश सहित मैदानी इलाकों में ठंड के तेवर तेज होने की संभावना है। महीने के आखिरी सप्ताह में तापमान में तेज गिरावट दर्ज की जा सकती है।

बीते दिनों का तापमान

1 दिसंबर	15 डिग्री सेल्सियस
2 दिसंबर	16 डिग्री सेल्सियस
3 दिसंबर	15 डिग्री सेल्सियस
4 दिसंबर	15 डिग्री सेल्सियस
5 दिसंबर	14 डिग्री सेल्सियस
6 दिसंबर	14 डिग्री सेल्सियस
7 दिसंबर	14 डिग्री सेल्सियस
8 दिसंबर	14 डिग्री सेल्सियस
9 दिसंबर	13 डिग्री सेल्सियस
10 दिसंबर	13 डिग्री सेल्सियस
11 दिसंबर	12 डिग्री सेल्सियस

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचन में मथुरा के दो वरिष्ठ नेता बने प्रस्तावक

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। लखनऊ में हुई भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष के निर्वाचन प्रक्रिया के तहत मथुरा जिले से दो वरिष्ठ नेताओं ने प्रस्तावक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए लोकसभा सांसद एवं केंद्रीय राज्य मंत्री पंकज चौधरी के नामांकन में मथुरा की मांट विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजेश चौधरी तथा भाजपा जिला महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव प्रस्तावक बने। संगठनात्मक दृष्टि से दोनों नेताओं की भूमिका को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वहीं भाजपा जिला महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव ने कहा कि पार्टी के प्रत्येक संगठनात्मक निर्वाचन लोकतांत्रिक मूल्यों और परंपराओं का उत्कृष्ट उदाहरण होते हैं। प्रदेश अध्यक्ष के चयन से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी। भाजपा महानगर मीडिया प्रभारी श्याम शर्मा ने कहा कि राजेश चौधरी एवं महानगर अध्यक्ष का प्रस्तावक के रूप में चयन यह दर्शाता है कि पार्टी नेतृत्व को मथुरा के समर्पित कार्यकर्ताओं पर पूर्ण विश्वास है। भाजपा के जिला प्रवक्ता सचिन चतुर्वेदी ने भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी को बधाई दी।

मथुरा का लाल बना भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय रक्षा अकादमी देहरादून में आयोजित दीक्षांत समारोह (पासिंग आउट परेड) के दौरान अंतिम पग रखते ही शहर के महाविद्या कॉलोनी निवासी ऋषभ गौतम पुत्र सत्येंद्र कुमार गौतम पौत्र राधेश्याम गौतम लेफ्टिनेंट बन गए। ऋषभ गौतम शुरुआत से ही शिक्षा में अति मेधावी रहे हैं। अपनी प्रारंभिक शिक्षा सेंट पॉल्स स्कूल मथुरा से पूर्ण कर सर्वप्रथम आईआईटी जोधपुर के लिए चुने गए थे किंतु ऋषभ द्वारा आईआईटी जोधपुर न जाकर देश सेवा को वरीयता देते हुए एनडीए एक्जाम 2021 को पास करके राष्ट्रीय रक्षा अकादमी खड़कवासला पुणे के लिए चयनित हुए 3 वर्ष का कठोर प्रशिक्षण पुणे में प्राप्त कर भारतीय रक्षा अकादमी देहरादून आए और 1 वर्ष देहरादून में कठोर परिश्रम करके आज भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बन गए। इनके पिता सत्येंद्र कुमार गौतम उत्तर प्रदेश पुलिस में उप निरीक्षक के पद पर नियुक्त हैं। उनकी बड़ी बहन स्नेहा गौतम एमबीबीएस अंतिम वर्ष की छात्रा है तथा बड़े भाई नितिन गौतम जीएसटी में इंस्पेक्टर के पद पर तैनात हैं।

बार एसोसिएशन के चुनाव 16 जनवरी को

यूनिक समय, मथुरा। बार एसोसिएशन के विभिन्न पदों के लिए चुनाव की तिथि घोषित कर दी गई है। चुनाव 16 जनवरी को कराए जाएंगे। 15 दिसंबर को कार्यकारिणी की बैठक में चुनाव के अन्य कार्यक्र्मों की घोषणा की जाएगी। बार एसोसिएशन के सचिव शिव कुमार लवानिया ने बताया कि हाईकोर्ट से प्राप्त आदेश को ध्यान में रखते हुए अध्यक्ष प्रदीप कुमार ने निर्णय लिया है कि मथुरा बार एसोसिएशन का वार्षिक चुनाव 16 जनवरी को संपन्न कराए जाएंगे। बार का चुनाव पंजीकृत संविधान से ही कराया जाएगा। चुनाव के अन्य सभी कार्यक्रमों की 15 दिसंबर को होने वाली कार्यकारिणी की बैठक के बाद ही घोषणा की जाएगी।

300 मोतियाबिन्द रोगियों का शल्यचिकित्सा को पंजीकरण

वात्सल्य ग्राम स्थित प्रेमवती गुप्ता नेत्र चिकित्सालय में नेत्र रोगियों के ऑपरेशन करती डॉक्टरों की टीम।

यूनिक समय, वृंदावन। वात्सल्य ग्राम स्थित प्रेमवती गुप्ता नेत्र चिकित्सालय के तत्वावधान में डॉ. वर्षा राठौर, मुंबई की स्मृति में दो दिवसीय निशुल्क मोतियाबिंद शल्य चिकित्सा शिविर का शुभारंभ साध्वी ऋतंभरा एवं नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. श्याम अग्रवाल ने किया। शिविर में फर्रूखाबाद, आगरा, मैनपुरी, एटा, कासगंज, अलीगढ़, बदायूं, चंदौसी, पीलीभीत, मथुरा एवं वृंदावन आदि स्थानों से 300 मोतियाबिन्द रोगियों का शल्यचिकित्सा को पंजीकरण किया। ऑपरेशन करते हुए डॉ. विशाल राठौर ने कहा कि लाखों लोग चिकित्सा क्षेत्र में प्रयास करते हैं तब जाकर के कुछ लोग नेत्र सर्जन बन पाते हैं। डॉक्टर का दायित्व होता है कि वह रोगियों की सेवा समर्पण भाव से करें रोगी को अपनी चिकित्सा से पूर्ण संतुष्ट करें। नेत्ररोग विशेषज्ञ डॉ श्याम अग्रवाल के नेतृत्व में डॉ. विशाल राठौर, डॉक्टर राहुल जैन, डॉ मयूर अग्रवाल डॉ. आरती अग्रवाल, डॉ. अनुज बाहुवा, डॉ जुगल शाह, डॉ. सौरभ रामुकाआदि डॉक्टरों की टीम ने मुंबई से आकर नेत्र रोगियों की शल्य चिकित्सा की की। इस अवसर पर संजय गुप्ता, अशोक सरीन, सी. बी. पाटोदिया, संयोजिका मीनाक्षी अग्रवाल एवं राजेश पाण्डेय आदि उपस्थित थे।

सूचना

मैं नूपुर उर्फ नूपुर कटारा पत्नी राजीव कटारा नि0 केशव कुंज कॉलोनी गनेसरा रोड मथुरा मेरी एक ओर्जिनल रजिस्ट्री जिसका वही न0 1 जिल्द संख्या 6213 पृष्ठ संख्या 1 से 20 तक क्रमांक 238 जिसकी रजिस्ट्री 07/01/2010 को हुई थी जो गोवर्धन चौराहे के समीप रास्ते में कहीं खो गयी है। जिसका प्रयोग अवैध माना जाएगा यदि किसी दावेदार को उक्त रजिस्ट्री से आपत्ति है तो 7 दिनों के अंदर नूपुर उर्फ नूपुर कटारा से संपर्क करें - 7627081059

राजीव एकेडमी के नौ एमबीए छात्र-छात्राओं की ऊंची उड़ान

के-12 टेक्नो सर्विसेज प्रा.लि. में 6 लाख सालाना पैकेज पर चयन

शिक्षा संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। राजीव एकेडमी फॉर टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट के एमबीए (बैच 2024-2026) छात्रों ने एक बार फिर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए संस्थान का नाम रोशन किया है। हाल ही में आयोजित कैम्पस प्लेसमेंट में के-12 टेक्नो सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड ने नौ छात्रों को 6 लाख रुपये सालाना के पैकेज पर चयनित किया। इस सफलता ने छात्रों की शैक्षणिक दक्षता, व्यावसायिक कौशल और संस्थान की उद्योग-उन्मुख शिक्षा प्रणाली को उजागर किया है। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट प्रमुख डॉ. विकास जैन ने बताया कि के-12 टेक्नो सर्विसेज एक अग्रणी शिक्षा सेवा प्रदाता कम्पनी है, जिसका मुख्यालय बेंगलुरु में है। यह देशभर में 110 से अधिक स्कूलों को अकादमिक, तकनीकी और संचालन संबंधी समाधान प्रदान करती है। चयनित छात्रों में अनुपम चतुर्वेदी, आशीष सिंह, लवली कुशवाह, लवली शर्मा, माधव माहेश्वरी, राघव गुप्ता, शिवम, वरुण सोलंकी और योगेश कुमार शामिल हैं। डॉ. जैन ने कहा कि यह उपलब्धि संस्थान की सुदृढ़ ट्रेनिंग और प्लेसमेंट प्रक्रिया का परिणाम है। एमबीए छात्रों को इंडस्ट्री-रेडी स्किल्स, सॉफ्ट स्किल्स, केस स्टडीज़, मॉक इंटरव्यू और कॉर्पोरेट एक्सपोजर के माध्यम से वास्तविक व्यावसायिक चुनौतियों के लिए तैयार किया जाता है। आर.के. एज्यूकेशनल ग्रुप के चेयरमैन डॉ. रामकिशोर अग्रवाल, उपाध्यक्ष पंकज अग्रवाल और प्रबंध निदेशक मनोज अग्रवाल ने छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि संस्थान का उद्देश्य छात्रों को केवल अकादमिक ज्ञान तक सीमित न रखते हुए व्यावहारिक और उद्योग-उन्मुख पेशेवर बनाना है। संस्थान के निदेशक डॉ. अभिषेक सिंह भदौरिया ने कहा कि के-12 टेक्नो सर्विसेज में चयनित होना छात्रों की मेहनत और अनुशासन का प्रमाण है।

के-12 टेक्नो सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के कैम्पस प्लेसमेंट में शामिल छात्र-छात्राएं।

चांदी की बढ़ती कीमतों से हर कोई हैरान

सर्राफा व्यवसाय में खामोशी

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। चांदी की बढ़ती कीमतों को लेकर हर कोई हैरान है। सर्राफा बाजार में दो लाख रुपये प्रति किलो ग्राम के सबसे उच्च शिखर पर चांदी पहुंचने को लेकर बाजार में कई तरह की चर्चा है। आखिर चांदी की कीमत कहां जाकर रूकेगी। चांदी के साथ सोने की कीमतों में काफी चढ़ाव देखा जा रहा है। हालांकि अब खरमास के कारण वैवाहिक कार्यक्रमों में ब्रेक लग जाएगा। इससे चांदी और सोने के जेवर खरीदने वाले भी बाजार में कम निकलेंगे। सर्राफा व्यवसायी भी चांदी और सोने की बढ़ती कीमतों को लेकर कुछ भी बोलने से कतरा रहे हैं। किसी

की समझ नहीं आ रहा है कि आखिर सोने और चांदी की कीमत क्यों बढ़ रही है। शहर के कई सर्राफा व्यवसायियों की हालात भी ऐसी हो रही है कि ग्राहकों से एडवांस लेने कतरा रहे हैं। पहले ही खरीददारों की पूर्ति नहीं कर पा रहे हैं। बाजार को देखकर यह अनुमान लगाया जा रहा है कि आने

स्वागत में किसी नेता को कैसे पहनाएंगे चांदी का मुकुट

शगुन में चांदी के जेवरों की जगह लेगी बंद लिफाफों में नकदी

वाले दिनों में सोने और चांदी की कीमतों में उतार चढ़ाव देखा जा सकता है। हालांकि शहर के चुनिंदा ज्वैलर्स के यहां से पुराने ग्राहकों के पास फोन करके यह बताया जा रहा है कि उनके शोरुम पर नया कलेक्शन आया है। आपको जरूर पसंद आएगा। एक बार आकर देख लो। ग्राहकों की ओर से जवाब मिलता है कि सोने और चांदी की कीमत सुनकर अब खरीदारी का मन नहीं कर रहा है। उधर, लोगों के बीच यह चर्चा है कि किसी बहन, बेटी और बहू के यहां चांदी की जेवर देने की सोचते हैं तो कीमत सुनकर पीछे हटना पड़ता है। लिफाफे में नकदी देकर शगुन को पूरा करने की बात मन में आती है। उधर, किसी नेता के आने पर लोग चांदी का मुकुट पहनाकार स्वागत करते थे, अब व्यापारियों को सोचना पड़ेगा। बढ़ती कीमतों के बीच वह कैसे किसी को चांदी का मुकुट पहनाएंगे।

सीएमओ ने पोलियो अभियान की तैयारियों की समीक्षा की

सीएमओ डॉ. राधाबल्लभ सीएचसी बलदेव में पोलियो अभियान की समीक्षा करते हुए।

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिलाधिकारी ने हाल ही में आयोजित जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में जनपद के समस्त स्वास्थ्य केंद्रों पर पोलियो अभियान की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में निर्देश दिए गए कि पोलियो अभियान के दौरान पोलियो की खुराक पिलाने के साथ-साथ स्वास्थ्य विभाग की सभी टीमें प्रत्येक घर पर जाकर एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) से संबंधित जानकारी भी हासिल की। उन्होंने कहा कि किसी भी परिवार का कोई सदस्य मतदाता सूची में शामिल होने से न छूटे तथा सभी की मैपिंग पूर्ण होनी चाहिए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राधा बल्लभ ने शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बलदेव का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान

सीएचसी बलदेव का औचक निरीक्षण

उन्होंने केंद्र की कोल्ड चेन व्यवस्था का भ्रमण कर पोलियो अभियान की तैयारियों को परखा। उनके समक्ष पोलियो पर्यवेक्षक को आवश्यक पोलियो सामग्री का वितरण भी किया गया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने चिकित्सा अधीक्षक, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बलदेव को कड़े निर्देश दिए कि रविवार को सभी पोलियो बूथ पूरी तरह क्रियाशील रहें। अधिक से अधिक बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाना चाहिए। जोकि जनपद को पोलियो मुक्त बनाए रखने का लक्ष्य सफलतापूर्वक पूरा किया जा सके।

कृषि विज्ञान केंद्र दुवासु में इफको नैनो उर्वरक बिक्री केंद्र प्रभारियों को प्रशिक्षण

प्रशिक्षण शिविर में मुख्य अतिथि सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता के विवेक कुमार कौशल आदि।

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। कृषि विज्ञान केंद्र, दुवासु में इफको ने नैनो यूरिया प्लस तथा नैनो डीएपी आधारित बिक्री केंद्र प्रभारियों का प्रशिक्षण दिया। मुख्य अतिथि सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता के विवेक कुमार कौशल ने रबी सीजन फसल के बारे में नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी की बिक्री बढ़ाने के लिए निर्देश साझा किए गए। वरिष्ठ प्रबंधक डॉ. प्रहलाद सिंह ने इफको के नवाचार आधारित उत्पादों पर प्रकाश डाला। बताया कि नैनो तकनीक से निर्मित नैनो यूरिया प्लस एवं नैनो डीएपी परंपरागत दानेदार उर्वरकों का वैज्ञानिक विकल्प है। इनके उपयोग से मृदा स्वास्थ्य, जल संरक्षण तथा पर्यावरण सुरक्षा को बढ़ावा मिलता है और पौधों में पोषक तत्वों की उपलब्धता बेहतर होती है। जिला कृषि अधिकारी ने केंद्र प्रभारियों से खाद की नियमित उपलब्धता, पारदर्शी बिक्री अभिलेख तथा किसानों को वैकल्पिक नैनो उर्वरकों के उपयोग के लिए प्रेरित करने पर जोर दिया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. योगेश शर्मा ने कहा कि आधुनिक कृषि तकनीकों एवं वैज्ञानिक उर्वरक प्रबंधन को अपनाकर उत्पादन वृद्धि संभव है। इस मौके पर एमडीई कुलदीप चतुर्वेदी, दुर्गापाल, जिला कृषि अधिकारी आवेश कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष कृषि विज्ञान केंद्र डॉ. योगेश कुमार शर्मा, वरिष्ठ प्रबंधक इफको आगरा मंडल डॉ. प्रहलाद सिंह, सचिव महाप्रबंधक जिला सहकारी बैंक दमन लाल शर्मा, जिला प्रबंधक पीसीएफ सतीश चंद्र यादव तथा उप महाप्रबंधक सुमित शर्मा, अपर जिला विकास सहकारी, सहायक विकास अधिकारी, शाखा प्रबंधक एवं उप क्षेत्र प्रबंधक इफको मथुरा सतवीर सिंह की सहभागिता रही।

गृह कलेश में युवक ने लगाई फांसी

यूनिक समय, कोसीकलां। थाना क्षेत्र स्थित एक कॉलोनी में रहने वाले युवक ने बीती रात फांसी लगा कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। युवक ने गृहक्लेश के चलते फांसी लगाई है। राधाकृष्ण कॉलोनी गोपालबाग निवासी अजय पुत्र ताराचंद की शादी छह दिसबंर को चौमुहां से हुई थी। बताया गया कि बीती रात उसने घर पर फांसी लगा ली। परिवार के लोगों को जैसे ही पता लगा उन्होंने तुरंत अजय को फांसी के फंदे से उतारा और बेहोशी की हालत में उसे केडी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा कराने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने बताया कि अब तक की जांच में पाया गया कि अजय ने पारिवारिक झगड़े के कारण फांसी लगाकर आत्महत्या की है। इस मामले में परिवार के लोगों ने इस सम्बंध में कोई प्रार्थना पत्र प्राप्त नहीं दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जायेगी।

निर्धन लोगों को गर्म कपड़ों का वितरण

गर्म कपड़े पाकर निर्धन लोग पदाधिकारियों के साथ।

यूनिक समय, वृंदावन। राधा रमण सत्संग सेवा ट्रस्ट के तत्वाधान में श्री तपस्वी गोस्वामी मठ में विधवा माता एवं अंध विद्यालय के विद्यार्थियों को ठंड से बचाव के लिए गर्म कपड़े वितरित किए गए। ट्रस्ट के अध्यक्ष विष्णु बृजवासी ने बताया कि पौष मास में शीत का प्रकोप अत्यधिक बढ़ जाता है, ऐसे में जरूरतमंदों की सेवा करना ही सच्ची मानवता है। इससे पूर्व भजन संध्या कराई। इस अवसर पर श्याम चतुर्वेदी, प्राची, अंकित, विजय पाल सिंह, राजन कृष्ण, सूरज, नेहा, शिवांगी एवं राकेश शास्त्री आदि उपस्थित थे।

मथुरा में साधु-संतों और इस्कॉन छात्रों ने श्रद्धांजलि दी

धर्मेंद्र की शोकसभा में भावुक हुईं हेमा मालिनी

यूनिक समय, वृंदावन। छटीकरा रोड स्थित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी आश्रम में शनिवार को दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र की स्मृति में शोकसभा का आयोजन किया गया। दोपहर तीन बजे शुरू हुई इस सभा में सांसद व अभिनेत्री हेमा मालिनी, साधु-संतों, इस्कॉन गुरुकुल के छात्रों, प्रशासनिक अधिकारियों और राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक व फिल्म जगत से जुड़ी कई प्रमुख हस्तियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। पूरे वातावरण में शोक, श्रद्धा और आत्मिक शांति का भाव देखने को मिला। शोकसभा के दौरान धर्मेंद्र के जीवन और फिल्मी सफर पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई। जैसे ही डॉक्यूमेंट्री में उनके संघर्ष, सफलता और पारिवारिक पलों की झलक सामने आई, हेमा मालिनी भावुक हो गईं और उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। सभागार में मौजूद लोग भी इस दृश्य को देखकर भावुक हो उठे। बाद में जब हेमा मालिनी ने धर्मेंद्र से जुड़ी अपनी स्मृतियां साझा कीं, तब भी उनका गला

फिल्म अभिनेता स्व. धर्मेंद्र को श्रद्धांजलि देते प्रशंसक। वृंदावन स्थित श्रीकृष्ण जन्माष्टमी आश्रम में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में सांसद हेमामालिनी।

भर आया। उन्होंने कहा कि धर्मेंद्र के जाने से पूरी दुनिया दुखी है, लेकिन उनके लिए यह ऐसा है जैसे किसी अपने का साथ अचानक छूट गया हो। शोकसभा में इस्कॉन गुरुकुल के छात्रों ने भगवद गीता के 15वें अध्याय का पाठ किया और धर्मेंद्र की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। गीता पाठ के दौरान पूरा सभागार भक्ति और शांति के भाव से भर गया। कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर ने कहा कि गीता में आत्मा को अजर-अमर बताया गया है। व्यक्ति अपने कर्मों और समाज के लिए किए गए कार्यों से ही सदा स्मरणीय बनता है, और धर्मेंद्र ने अपने जीवन से यही संदेश दिया। सभा में संस्कृति यूनिवर्सिटी के कुलपति सचिन गुप्ता, निर्देशक अनिल शर्मा सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। प्रशासन की ओर से कमिश्नर शैलेंद्र कुमार सिंह, डीएम चंद्र प्रकाश सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार ने भी श्रद्धांजलि अर्पित कर शोक संतृप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

उल्लेखनीय है कि धर्मेंद्र का 24 नवंबर को 89 वर्ष की आयु में निधन हुआ था। इससे पहले मुंबई और दिल्ली में भी प्रार्थना सभाएं आयोजित की जा चुकी हैं। मथुरा में हुई यह शोकसभा न सिर्फ श्रद्धांजलि का अवसर बनी, बल्कि धर्मेंद्र के जीवन, कर्म और विरासत को याद करने का भावुक क्षण भी साबित हुई।

निर्वाचक नामावली कार्य में लगे बीएलओ व सुपरवाइजरों को मिलेगा वार्षिक पारिश्रमिक

यूनिक समय, मथुरा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) डॉ. पंकज कुमार वर्मा ने बताया कि प्रदेश में निर्वाचक नामावली कार्य के लिए नियुक्त प्रति बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) को 12,000 रुपये प्रतिवर्ष तथा प्रति बीएलओ सुपरवाइजर को 18,000 रुपये प्रतिवर्ष पारिश्रमिक प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण, संक्षिप्त पुनरीक्षण अथवा अन्य विशेष अभियानों के दौरान कार्य करने वाले बीएलओ को विशेष प्रोत्साहन भत्ता के रूप में प्रति वर्ष 2,000 रुपये की अतिरिक्त धनराशि पारिश्रमिक के रूप में दी जाएगी। जिससे निर्वाचक नामावली कार्य में लगे अधिकारियों और कर्मचारियों को समय पर पारिश्रमिक मिल सकेगा।

ज्यादा खाने की आदत बन रही कई बीमारियों की वजह

ओवरईटिंग से बिगड़ रही सेहत बीपी से लेकर हार्ट तक बढ़ता खतरा

यूनिक समय, नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में खानपान की आदतें तेजी से बदल गई हैं। अनहेल्दी फूड, देर रात खाना और जरूरत से ज्यादा भोजन यानी ओवरईटिंग अब आम हो चुका है। इसका सीधा असर शरीर पर पड़ रहा है और बीपी, हार्ट, किडनी, लिवर जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ मानते हैं कि ओवरईटिंग न सिर्फ मोटापा बढ़ाती है, बल्कि डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और हार्ट अटैक जैसी समस्याओं की जड़ भी बनती है।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की रिपोर्ट बताती है कि दुनिया में हर साल भारी मात्रा में खाना बर्बाद होता है। एक ओर करोड़ों लोग भूख से जूझ रहे हैं, तो दूसरी ओर ज्यादा खाने की आदत लोगों को बीमार बना रही है। रिसर्च के मुताबिक, जरूरत से ज्यादा और बिना ब्रेक के खाने से शरीर का मेटाबॉलिज्म बिगड़ जाता है। इससे फैट जमा होने लगता है और अंगों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है।

मेडिकल स्टडीज में यह भी सामने आया है कि जब व्यक्ति खाने में संयम रखता है या समय-समय पर ब्रेक लेता है, तो शरीर में ऑटोफैगी नाम की प्राकृतिक प्रक्रिया सक्रिय होती है। इस प्रक्रिया में शरीर खुद खराब कोशिकाओं को साफ करता है, जिससे बीमारियों का जोखिम कम होता है। यही कारण है कि विशेषज्ञ महीने में एक दिन हल्का उपवास या सीमित भोजन की सलाह देते हैं।

बीपी को नियंत्रित रखने के लिए पर्याप्त पानी पीना, तनाव कम करना, समय पर भोजन और जंक फूड से दूरी जरूरी है।

हार्ट को मजबूत रखने के लिए संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और पर्याप्त नींद अहम भूमिका निभाते हैं। वहीं किडनी और लिवर को स्वस्थ रखने के लिए वजन नियंत्रित करना, शुगर और कोलेस्ट्रॉल लेवल पर नजर रखना जरूरी है।

विशेषज्ञों का कहना है कि थोड़ा कम खाना शरीर को कमजोर नहीं, बल्कि मजबूत बनाता है। सही मात्रा और सही समय पर भोजन न केवल व्यक्ति की सेहत सुधारता है, बल्कि समाज और देश के स्तर पर भी सकारात्मक असर डालता है। ओवरईटिंग से बचकर और संतुलित जीवनशैली अपनाकर कई गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है।

विटामिन और मिनरल्स से भरपूर कच्चा दूध

कच्चा दूध और स्किन: चेहरे पर लगाने से आता है ग्लो

यूनिक समय, नई दिल्ली। दूध को सदियों से सेहत के साथ-साथ त्वचा की देखभाल के लिए भी उपयोगी माना जाता रहा है। खासकर कच्चा दूध अपने औषधीय गुणों के कारण आज भी घरेलू स्किन केयर नुस्खों में खास जगह रखता है। इसमें मौजूद लैक्टिक एसिड, विटामिन ए, डी, कैल्शियम और प्रोटीन त्वचा को पोषण देने के साथ-साथ उसकी रंगत और बनावट सुधारने में मदद करते हैं।

चेहरे पर कच्चा दूध लगाने से त्वचा की गहराई से सफाई होती है। यह डेड स्किन सेल्स को हटाकर पोर्स को साफ करता है, जिससे चेहरे पर नेचुरल ग्लो आने लगता है। नियमित इस्तेमाल से त्वचा साफ, फ्रेश और दमकती हुई नजर आ सकती है। कच्चे दूध में मौजूद एंटी-एजिंग गुण झुर्रियों और फाइन लाइंस को कम करने में भी सहायक माने जाते हैं।

अगर चेहरे पर दाग-धब्बे, टैनिंग या पिंपल्स की समस्या रहती है, तो कच्चा दूध राहत दे सकता है। इसके लैक्टिक एसिड गुण त्वचा की रंगत को समान करने में मदद करते हैं। कॉटन की मदद से चेहरे पर कच्चा दूध लगाने और 10-15 मिनट बाद धो लेने से टैनिंग धीरे-धीरे कम हो सकती है और दाग-धब्बे हल्के पड़ने लगते हैं।

रूखी और बेजान त्वचा वालों के लिए भी कच्चा दूध किसी वरदान से कम नहीं है। यह त्वचा को गहराई से मॉइस्चराइज करता है और नेचुरल नमी बनाए रखने में मदद करता है। ड्राई स्किन पर कच्चा दूध लगाने से त्वचा मुलायम और स्मूद बन सकती है।

हालांकि, कच्चा दूध इस्तेमाल करते समय सावधानी भी जरूरी है। संवेदनशील त्वचा वालों को पूरे चेहरे पर लगाने से पहले पैच टेस्ट जरूर करना चाहिए, ताकि किसी तरह की एलर्जी या जलन से बचा जा सके। साथ ही जोडेर या ज्यादा मुंहासों की समस्या में डॉक्टर की सलाह लेना बेहतर रहता है।

कुल मिलाकर, कच्चा दूध एक आसान और सस्ता घरेलू उपाय है, जो सही तरीके से इस्तेमाल करने पर त्वचा की कई समस्याओं को दूर कर सकता है और चेहरे की खूबसूरती बढ़ाने में मददगार साबित हो सकता है।

पानी की बोतल से आने लगी बदबू इन तरीकों से करें सफाई

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आपकी पानी की बोतल के अंदर से बदबू आने लगी है या उसमें गंदगी जम गई है, तो यह आपकी सेहत के लिए नुकसानदेह हो सकता है। अक्सर लोग ऐसी स्थिति में नई बोतल खरीदने की सोचते हैं, लेकिन कुछ आसान घरेलू उपायों से आप पुरानी बोतल को भी बिल्कुल साफ और खुशबूदार बना सकते हैं। सही तरीके से सफाई करने पर न केवल बदबू दूर होती है, बल्कि बैक्टीरिया और फंगस का खतरा भी कम हो जाता है।

नमक और नींबू से करें गहरी सफाई: नमक और नींबू का मिश्रण वॉटर बॉटल की सफाई के लिए बेहद कारगर माना जाता है। इसके लिए बोतल में एक चम्मच नमक और आधे नींबू का रस डालें। अब थोड़ा सा पानी मिलाकर बोतल को ब्रश से अच्छी तरह रगड़ें। यह तरीका बोतल के अंदर जमी गंदगी और बदबू दोनों को दूर करने में मदद करता है। कुछ देर बाद साफ पानी से बोतल को अच्छी तरह धो लें।

सिरका और बेकिंग सोडा का इस्तेमाल: अगर बदबू ज्यादा तेज है, तो सिरका और बेकिंग सोडा का उपयोग करें। बोतल में एक चम्मच सिरका और एक चम्मच बेकिंग सोडा डालें। थोड़ा पानी मिलाकर ढक्कन बंद करें और बोतल को अच्छी तरह हिलाएं। करीब 10 से 15 मिनट बाद बोतल को साफ पानी से धो लें। इस तरीके से बोतल अंदर से चमकने लगती है।

सूखापन है सबसे जरूरी: बोतल में बदबू आने की सबसे बड़ी वजह नमी होती है। अगर बोतल धोने के बाद भी अंदर गीली रह जाती है, तो उसमें बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। इसलिए बोतल धोने के बाद उसे उल्टा रखकर पूरी तरह सुखाएं। जब तक बोतल अंदर से पूरी तरह सूख न जाए, ढक्कन न लगाएं।

नियमित सफाई की डालें आदत: हफ्ते में कम से कम दो बार पानी की बोतल को अच्छी तरह साफ करना चाहिए। इससे न केवल बदबू से बचाव होगा, बल्कि आप और आपका परिवार भी सेहतमंद रहेगा। थोड़ी सी सावधानी और नियमित सफाई से आपकी वॉटर बॉटल लंबे समय तक सुरक्षित तरीके से इस्तेमाल की जा सकती है।

सर्दियों में कोहरे के कारण बढ़ जाता है हादसों का खतरा

ठंड में गाड़ी चलाते समय बरतें सावधानी, धुंध में सुरक्षित ड्राइविंग के लिए जरूरी उपाय

यूनिक समय, नई दिल्ली। सर्दियों का मौसम शुरू होते ही देश के कई हिस्सों में घना कोहरा यानी फॉग देखने को मिलता है। खासतौर पर सुबह और देर रात के समय धुंध इतनी घनी हो जाती है कि कुछ मीटर आगे तक देख पाना भी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में वाहन चलाना जोखिम भरा हो सकता है। हर साल सर्दियों में कोहरे के कारण सड़क हादसों की संख्या बढ़ जाती है। अगर आप भी ठंड के मौसम में कार या बाइक से यात्रा करते हैं, तो कुछ जरूरी सावधानियां अपनाकर आप खुद को और दूसरों को सुरक्षित रख सकते हैं।

धुंध में गाड़ी चलाने से पहले मौसम की जानकारी जरूर लें। अगर बहुत ज्यादा कोहरा है, तो गैर-जरूरी यात्रा से बचना ही बेहतर होता है। घर से निकलने से पहले वाहन की हेडलाइट्स, टेललाइट्स, फॉग लाइट्स और इंडिकेटर्स ठीक से काम कर रहे हैं या नहीं, यह जरूर जांच लें। इसके साथ ही वाइपर और वॉशर फ्लूइड भी चेक कर लें, ताकि शीशा साफ रहे। विंडशील्ड और सभी खिड़कियों को अंदर-बाहर से अच्छी तरह साफ करना भी बेहद जरूरी है।

कोहरे में ड्राइव करते समय हमेशा सामान्य से कम गति रखें। तेज रफ्तार में गाड़ी चलाने से अचानक सामने आने वाले वाहन या रुकावट को संभाल पाना मुश्किल हो सकता है। आगे चल रहे वाहन से पर्याप्त दूरी बनाए रखें और बार-बार ओवरटेक करने से बचें। फॉग के समय फॉग लाइट्स का इस्तेमाल जरूर करें। अगर आपकी गाड़ी में फॉग लाइट्स नहीं हैं, तो लो बीम हेडलाइट्स का प्रयोग करें। हाई बीम लाइट्स का इस्तेमाल करने से रोशनी कोहरे से टकराकर वापस आंखों में पड़ती है, जिससे दिखाई और भी कम देता है।

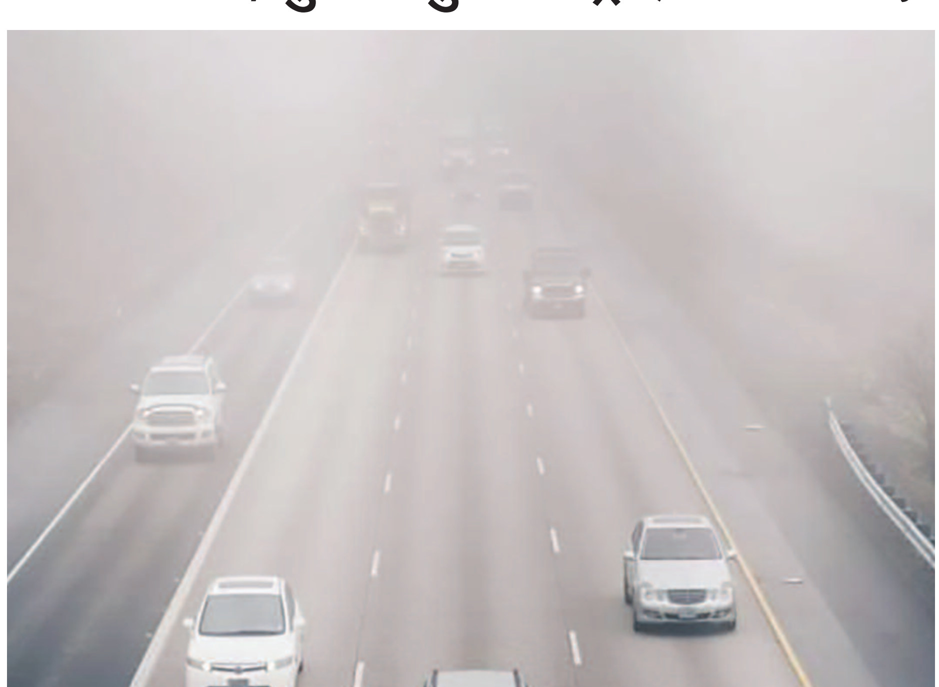

सर्दियों में कार के शीशों के अंदर भी भाप जमने लगती है। इससे बचने के लिए एंटी-फॉग स्प्रे का इस्तेमाल किया जा सकता है। यह शीशों को साफ रखने में मदद करता है और ड्राइविंग के दौरान विजिबिलिटी बनी रहती है। अगर आप ऐसे इलाके में रहते हैं जहां बर्फबारी होती है, तो गाड़ी में आइस स्क्रेपर और स्नो ब्रश जरूर रखें, ताकि शीशों और हेडलाइट्स पर जमी बर्फ को आसानी से हटाया जा सके।

इसके अलावा सर्दियों में एक छोटी सी विंटर ड्राइविंग इमरजेंसी किट बनाकर रखना भी समझदारी है। इसमें टॉर्च, अतिरिक्त कंबल, दस्ताने, प्राथमिक उपचार किट और मोबाइल चार्जर जैसी चीजें शामिल करें। थोड़ी सी सावधानी और सही तैयारी आपको ठंड और धुंध के मौसम में सुरक्षित सफर का भरोसा दे सकती है।

सुविचार

सपनों को सच करने का सबसे बड़ा हथियार है आत्मविश्वास।

कल का पंचांग

तिथि	दशमी	04:38-06:50 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	चित्रा	08:18-11:08 तक	माह	पौष
सूर्योदय		7:05 AM	चन्द्रोदय	01:54 AM
सूर्यास्त		5:22 PM	चंद्रास्त	01:33 PM
सूर्य राशि		वृश्चिक राशि	चंद्र	तुला राशि
शुभ मुहूर्त		11:53AM-12:34 PM	ब्रह्म मुहूर्त	04:35-05:23
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2082
राहुकाल		04:05PM –05:22PM	वार	रविवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

बृहस्पति का रत्न पीला पुखराज, सही सलाह से बने सौभाग्य का साधन

यूनिक समय, मथुरा। ज्योतिष शास्त्र में पुखराज को बृहस्पति ग्रह का प्रमुख रत्न माना गया है। पीले रंग का यह चमकदार रत्न जितना आकर्षक दिखता है, उतना ही प्रभावशाली भी माना जाता है। मान्यता है कि सही व्यक्ति द्वारा धारण किए जाने पर पुखराज जीवन में ज्ञान, शांति, स्थिरता और सफलता के द्वार खोल सकता है। लेकिन बिना उचित जानकारी या कुंडली जांच के इसे पहनना लाभ की जगह नुकसान भी पहुंचा सकता है।

विशेषज्ञों के अनुसार पुखराज का प्रभाव 10 से 15 वर्षों तक रहता है। ऐसे में यदि यह किसी

व्यक्ति को सूट नहीं करता, तो इसके दुष्परिणाम लंबे समय तक झेलने पड़ सकते हैं। ज्योतिष मान्यताओं के मुताबिक बृहस्पति ग्रह से जुड़ी परेशानियां धीरे–धीरे लेकिन गहराई से असर डालती हैं। बिना सलाह पुखराज पहनने से मानसिक तनाव, स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं, पारिवारिक कलह और करियर में बाधाएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसलिए केवल फैशन या दिखावे के लिए इस रत्न को धारण करना उचित नहीं माना जाता।

यदि कुंडली के अनुसार पुखराज अनुकूल हो, तो इसके सकारात्मक प्रभाव भी व्यापक होते हैं। इसे पहनने से व्यक्ति की सोच में गंभीरता आती है और निर्णय लेने की क्षमता मजबूत होती है।

बृहस्पति को ज्ञान और विवेक का कारक ग्रह माना जाता है, इसलिए यह रत्न मानसिक स्थिरता और आत्मविश्वास बढ़ाने में सहायक माना जाता है।

पुखराज का एक अन्य लाभ आध्यात्मिक क्षेत्र से जुड़ा है। कहा जाता है कि यह मानसिक भ्रम को दूर करता है और व्यक्ति के भीतर वैराग्य, स्पष्टता और आत्मचिंतन की भावना को बढ़ाता है। ध्यान और साधना करने वालों के लिए इसे विशेष रूप से उपयोगी माना गया है।

इसके अलावा, पुखराज पहनने से शिक्षा, शोध और अध्यापन जैसे क्षेत्रों में प्रगति के योग बनते हैं। वैवाहिक जीवन के संदर्भ में भी इसे शुभ रत्न माना गया है, विशेषकर महिलाओं के लिए। मान्यता है कि इससे दांपत्य जीवन में मधुरता और स्थिरता आती है। कुछ ज्योतिषाचार्य यह भी मानते हैं कि पुखराज नकारात्मक ऊर्जा और आकस्मिक संकटों से रक्षा करता है। कई मामलों में इसके टूटने या गिरने को संभावित खतरे का संकेत माना जाता है। कुल मिलाकर, पुखराज एक शक्तिशाली रत्न है, जिसे पहनने से पहले कुंडली की सही जांच और विशेषज्ञ की सलाह लेना बेहद जरूरी है।

दिन में बस दो मिनट निकालकर मन में कह दें यह बात

घर की तीन अदृश्य शक्तियां बदल देंगी आपकी किस्मत

शास्त्रों के अनुसार, सुबह या शाम सिर्फ दो मिनट मन में इतना कह देना पर्याप्त है...

"हे मेरी कुलदेवी, मेरे कुल की रक्षा करो।
हे पितृ देव, मेरे कर्म पथ को प्रकाशित करो।
हे मेरे इष्ट देव, मेरे मन को शांत करो।"

यूनिक समय, मथुरा। हम जीवन की उलझनों से निकलने के लिए कभी ज्योतिष तो कभी वास्तु, फेंगशुई और महंगे उपायों का सहारा लेते हैं, लेकिन इन सबसे आसान और प्रभावी शक्ति की अनदेखी कर देते हैं, वह हमारे अपने घर में ही मौजूद होती है। शास्त्रों के अनुसार हर घर में तीन अदृश्य शक्ति स्तंभ होते हैं, जिन्हें अगर दिन में केवल 2 मिनट भी मन से स्मरण कर लिया जाए, तो जीवन की कई समस्याएं स्वतः दूर होने लगती हैं।

धार्मिक मान्यताओं में ये तीन शक्ति स्तंभ हैं– कुलदेवी, पितृ देव और इष्ट देव। इन्हें जीवन की नींव कहा गया है। जिस तरह किसी इमारत को तीन मजबूत खंभों की जरूरत होती है, उसी तरह जीवन की स्थिरता और शांति के लिए इन तीनों शक्तियों का संतुलन जरूरी माना गया है।

कुलदेवी आपके वंश की रक्षक शक्ति होती हैं। आधुनिक जीवन में हम भले ही अपनी परंपराओं से दूर हो गए हों, लेकिन हमारी ऊर्जा आज भी अपने कुल से जुड़ी रहती है। माना जाता है कि जब कुलदेवी प्रसन्न होती हैं, तो घर में सुरक्षा, स्थिरता और आपसी सामंजस्य बना रहता है। वहीं, उनकी उपेक्षा करने पर बिना कारण झगड़े, रोग और असफलताएं बढ़ने लगती हैं। कुलदेवी को वंश की जड़ कहा गया है– और जड़ मजबूत हो, तो पूरा जीवन वृक्ष फलता–फूलता है।

पितृ देव हमारे अस्तित्व की नींव हैं। हमारे संस्कार, कर्म और जीवन पथ उनके आशीर्वाद से ही आगे बढ़ते हैं। शास्त्रों में कहा गया है कि पितृ अप्रसन्न हों तो कोई भी पूजा पूर्ण फल नहीं देती। आज की भागदौड़ में लोग पितरों को भूल जाते हैं, जिसका असर आर्थिक रुकावट, मानसिक तनाव और पारिवारिक अशांति के रूप में दिखाई देता है। रोज सुबह केवल मन में उनका आभार प्रकट करना भी बड़ा परिवर्तन ला सकता है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

इष्ट देव आत्मा के सच्चे मित्र माने जाते हैं। कोई श्रीराम को मानता है, कोई शिव को, तो कोई माता दुर्गा को। इष्ट देव से जुड़ाव मन को स्थिर करता है, निर्णय शक्ति बढ़ाता है और जीवन में करुणा व संतुलन लाता है। मान्यता है कि इष्ट देव की साधना से ग्रह बाधाएं भी स्वतः शांत होने लगती हैं।

यही सबसे सरल, सशक्त और सच्चा आध्यात्मिक उपाय है, जो घर की अदृश्य शक्तियों को मजबूत बनाकर जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकता है।

कल का राशिफल

कल का दिन सभी राशियों के लिए अलग–अलग फल लेकर आया है। कहीं मेहनत रंग लाएगी तो कहीं संयम और सावधानी जरूरी रहेगी। आइए जानते हैं कल का विस्तृत राशिफल–

मेष राशि के जातकों के लिए दिन मिला–जुला रहेगा। कार्यक्षेत्र में काम का दबाव रहेगा, लेकिन सहयोगियों के सहयोग से सफलता मिलेगी। अधिकारी आपकी कार्यशैली से प्रसन्न रहेंगे। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा, हालांकि थकान महसूस हो सकती है।

वृषभ राशि वालों का दिन सामान्य रहेगा। व्यापार में लाभ के योग हैं, लेकिन नए काम शुरू करने से बचें। अनावश्यक खर्च बढ़ सकता है। वाणी और क्रोध पर नियंत्रण रखें, वरना पारिवारिक तनाव हो सकता है।

मिथुन राशि के लिए दिन शुभ रहेगा। आर्थिक लाभ और आकस्मिक धन प्राप्ति के योग हैं। मित्रों और परिजनों का सहयोग मिलेगा। आलस्य से बचें और खर्चों पर नियंत्रण रखें।

कर्क राशि वालों को व्यावसायिक सफलता से प्रसन्नता मिलेगी। परिश्रम से सभी कार्य पूरे होंगे। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा, लेकिन स्वास्थ्य और अधिक खर्च पर ध्यान दें।

सिंह राशि के लिए दिन मिला–जुला रहेगा। कार्यभार अधिक रहेगा और थकान महसूस होगी। क्रोध पर नियंत्रण जरूरी है। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

कन्या राशि के जातकों को कार्यक्षेत्र में कुछ परेशानियां झेलनी पड़ सकती हैं। मेहनत से सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें और वाहन सावधानी से चलाएं।

तुला राशि वालों के लिए उन्नति के योग बन रहे हैं। कारोबार और नौकरी में लाभ संभव है। जल्दबाजी में निवेश न करें।

वृश्चिक राशि के लिए दिन शुभ है। नौकरी और व्यापार में लाभ के योग हैं। निवेश से फायदा हो सकता है, लेकिन सोच–समझकर निर्णय लें।

धनु राशि वालों को धनलाभ और रोजगार के अवसर मिलेंगे। अधिक भागदौड़ से थकान होगी। लालच से बचें।

मकर राशि के लिए दिन संतुलित रहेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार के साथ समय बिताने से मन को सुकून मिलेगा।

कुम्भ राशि वालों को कार्यक्षेत्र में बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। लेन–देन और नए काम से फिलहाल बचें।

मीन राशि के जातकों के लिए दिन अच्छा रहेगा। कार्यों में सफलता मिलेगी। विवाह और पढ़ाई से जुड़े मामलों में शुभ समाचार मिल सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

अलौकिक पहरेदार दरहा बाबा: जहां सांप करते थे गांव और फसलों की रक्षा

यूनिक समय, मथुरा। झारखंड के पलामू जिले का एक छोटा–सा गांव सिंगरा, आज भी अपनी रहस्यमयी आस्था और चमत्कारिक मान्यताओं के लिए जाना जाता है। यहां एक विशाल सेमर का पेड़ है, जिसे ग्रामीण श्रद्धा से 'दरहा बाबा' कहते हैं। मान्यता है कि यह पेड़ और उस पर वास करने वाले सांप वर्षों तक पूरे गांव के रक्षक रहे हैं। यह कहानी सिर्फ आस्था नहीं, बल्कि पीढ़ियों से चले आ रहे अनुभवों का जीवंत उदाहरण मानी जाती है।

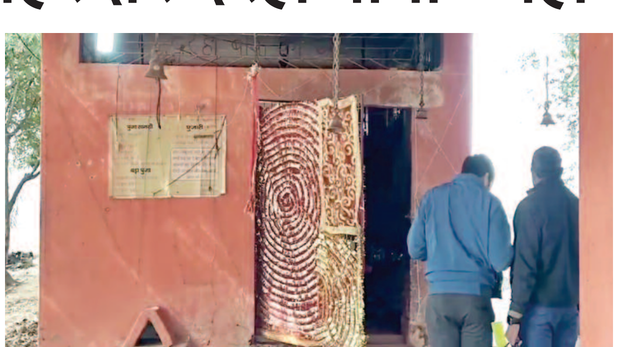

डाल्टनगंज की रहने वाली 78 वर्षीय मंदोदर कुंअर बताती हैं कि उनका बचपन सिंगरा गांव में बीता। उनके अनुसार, दरहा बाबा के पेड़ पर हमेशा दो–तीन सांप दिखाई देते थे। देखने में भले ही डरावने लगते हों, लेकिन इन सांपों ने कभी किसी को नुकसान नहीं पहुंचाया। ग्रामीण उन्हें बाबा का रूप मानकर पूजते थे और मानते थे कि उन्हीं की वजह से गांव में शांति और सुरक्षा बनी रहती है।

दादी के मुताबिक, उस दौर में किसान अपनी फसल खेतों में ही छोड़ दिया करते थे। हजारों क्विंटल अनाज कई दिनों तक खुले में पड़ा रहता, लेकिन चोरी का डर तक नहीं होता था। ग्रामीणों का विश्वास था कि दरहा बाबा और उनके सांप खेतों व अनाज की रखवाली करते हैं। यही कारण था कि गांव में आपसी भरोसा और भाईचारा मजबूत बना रहा। दरहा बाबा से जुड़ी मान्यताओं में डर और चमत्कार दोनों शामिल हैं। रात के समय उस पेड़ के पास जाने की सख्त मनाही थी। मंदोदर कुंअर याद करती हैं कि एक बार उन्हें मजबूरी में उसी रास्ते से गुजरना पड़ा, जहां जाना मना था। वहां पहुंचते ही उन्हें सांप दिखे। वे डर गईं, लेकिन सांपों ने उन्हें कोई नुकसान नहीं पहुंचाया। इस घटना के बाद उन्होंने उस रास्ते पर दोबारा कभी कदम नहीं रखा।

ग्रामीणों के अनुसार, करीब 50 साल पहले यहां एक नागा बाबा भी तपस्या किया करते थे। उनका स्वभाव रहस्यमयी था और बाद में वे गुप्त धाम चले गए। आज भी मान्यता है कि दरहा बाबा के यहां सच्चे मन से मांगी गई मन्नत जरूर पूरी होती है। मन्नत पूरी होने पर लोग बकरी या मुर्गी की बलि चढ़ाते हैं। आधुनिक दौर में भी दरहा बाबा की यह कथा लोगों के विश्वास का केंद्र बनी हुई है–एक ऐसा अलौकिक पहरेदार, जो आज भी गांव की आत्मा में जीवित है।

सम्पादकीय

भीड़ के बीच मरती इंसानियत

इन पंक्तियों को केवल एक आपराधिक घटना के विवरण के रूप में नहीं पढ़ा जाना चाहिए। यह हमारे समय का वह दस्तावेज है, जो यह बताता है कि शहरी जीवन में बढ़ती भीड़ के बीच मानवीय संवेदना किस तरह दबती जा रही है। यह घटना न सिर्फ कानून–व्यवस्था से जुड़े सवाल खड़े करती है, बल्कि समाज के रूप में हमारी सामूहिक भूमिका पर भी गंभीर आत्ममंथन की मांग करती है। घटना देश की राजधानी दिल्ली के हर्ष विहार क्षेत्र की है। दो भाई–हिमांशु और अंकुर–रामलीला देखने गए थे। उत्सव का माहौल था और बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। इसी दौरान तेज गति से आ रही एक बाइक उनसे टकराने से बाल–बाल बची। बाइक पर नियमों के विरुद्ध तीन लोग सवार थे। जब भाइयों ने उन्हें सावधानी से चलने की सलाह दी, तो मामूली विवाद ने अचानक हिंसक रूप ले लिया।

पवन गौतम
संपादक

बाइक सवारों ने चाकू निकाल लिए। अंकुर पर कई वार किए गए और हिमांशु भी घायल हुआ। जिस समय धार्मिक आयोजन चल रहा था, उसी समय पास ही एक गंभीर आपराधिक घटना घटित हो गई। वहां बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे, फिर भी तत्काल हस्तक्षेप करने वाला कोई सामने नहीं आया। हमलावर तीन थे और उनके पास केवल चाकू थे। यदि कुछ लोग साहस दिखाते या संगठित रूप से मदद के लिए आगे आते, तो संभव है कि स्थिति को संभाला जा सकता था। घटना के बाद हिमांशु अपने घायल भाई को ई–रिक्शा से अस्पताल ले गया, लेकिन तब तक अंकुर की मृत्यु हो चुकी थी। यह दृश्य केवल एक परिवार के लिए अपूरणीय क्षति नहीं है, बल्कि पूरे समाज के लिए चेतावनी भी है।

यह सच है कि भय और असुरक्षा के कारण लोग अक्सर हस्तक्षेप से बचते हैं। कानून भी आम नागरिक को सीधे टकराव के लिए प्रोत्साहित नहीं करता। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि संवेदनहीनता और उदासीनता किसी भी समाज को भीतर से कमजोर कर देती है। सहायता केवल शारीरिक हस्तक्षेप तक सीमित नहीं होती–तुरंत पुलिस को सूचना देना, घायलों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने में मदद करना या अन्य लोगों को संगठित करना भी जिम्मेदार नागरिकता का हिस्सा है। यह घटना हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या हम केवल दर्शक बनकर रह गए हैं। तकनीक के इस दौर में वीडियो बनाना आसान हो गया है, लेकिन मानवीय संवेदना का प्रदर्शन कठिन। जरूरत इस बात की है कि हम भय और उदासीनता के बीच संतुलन बनाएं और संकट की घड़ी में अपनी नागरिक जिम्मेदारी को समझें। तभी ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोका जा सकेगा।

नजरिया

पाकिस्तान में संस्कृत की वापसी साझा विरासत की नई शुरुआत

राजकुमार गौतम

विभाजन के बाद पहली बार पाकिस्तान की शैक्षणिक कक्षाओं में संस्कृत का औपचारिक प्रवेश केवल एक अकादमिक घटना नहीं, बल्कि उपमहाद्वीप की साझा सांस्कृतिक चेतना की पुनर्स्थापना का संकेत है। लाहौर यूनिवर्सिटी ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (एलयूएमएस) द्वारा चार क्रेडिट का संस्कृत पाठ्यक्रम शुरू किया जाना यह दर्शाता है कि इतिहास, भाषा और ज्ञान की परंपराएं राजनीतिक सीमाओं से कहीं व्यापक होती हैं। यह पहल ऐसे समय में सामने आई है, जब पहचान, आस्था और विरासत को लेकर बहसें अक्सर संकीर्ण दायरों में सिमट जाती हैं। ऐसे में संस्कृत की वापसी एक साहसिक और दूरदर्शी कदम है। संस्कृत केवल एक भाषा नहीं, बल्कि दर्शन, गणित, व्याकरण, खगोल, चिकित्सा और साहित्य का विशाल भंडार है। महाभारत, भगवद्गीता, उपनिषद, आर्यभटीय, चरक संहिता और पाणिनि की अष्टाध्यायी जैसे ग्रंथ मानव सभ्यता के बौद्धिक इतिहास में मील के पत्थर हैं। इन ग्रंथों का अध्ययन किसी एक धर्म या समुदाय तक सीमित नहीं है; यह ज्ञान–परंपरा की साझी धरोहर है। पाकिस्तान में संस्कृत का अकादमिक पुनरागमन इसी व्यापक दृष्टि को रेखांकित करता है।

इस प्रयास के केंद्र में फोरमैन क्रिश्चियन कॉलेज के समाजशास्त्र के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. शाहिद रशीद का नाम विशेष उल्लेख के योग्य है। अरबी और फारसी से आगे बढ़कर संस्कृत का अध्ययन करने वाले डॉ. रशीद ने यह साबित किया है कि भाषाई सीमाएं जिज्ञासा और परिश्रम से टूट सकती हैं। उनका यह कहना कि शास्त्रीय भाषाओं में मानव जाति के लिए अपार ज्ञान समाहित है, आज के उपयोगितावादी शिक्षा मॉडल के लिए एक आवश्यक स्मरण है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से संस्कृत व्याकरण का अध्ययन कर एक वर्ष में इसे पूरा करना और निरंतर सीखते रहना–यह अकादमिक प्रतिबद्धता का उदाहरण है। एलयूएमएस में शुरू हुआ यह पाठ्यक्रम तीन महीने की सप्ताहांत कार्यशाला से विकसित हुआ, जिसने छात्रों और विद्वानों में उल्लेखनीय रुचि पैदा की। यह तथ्य महत्वपूर्ण है क्योंकि यह दर्शाता है कि यदि अवसर और मार्गदर्शन मिले, तो युवा पीढ़ी शास्त्रीय भाषाओं की ओर आकर्षित हो सकती है। अक्सर यह मान लिया जाता है कि आधुनिक शिक्षा में प्राचीन भाषाओं के लिए स्थान नहीं है, पर यह पहल उस धारणा को चुनौती देती है। एलयूएमएस के गुरमणि केंद्र के निदेशक डॉ. अली उस्मान कास्मी का यह कथन भी विचारणीय है कि पाकिस्तान के पास संस्कृत पांडुलिपियों का अत्यंत समृद्ध, परंतु कम खोजा गया संग्रह है। पंजाब विश्वविद्यालय पुस्तकालय में ताड़ के पत्तों पर लिखी संस्कृत पांडुलिपियों का विशाल भंडार मौजूद है, जिसे 1930 के दशक में जे.सी.आर. वूलनर ने सूचीबद्ध किया था। दुर्भाग्यवश, 1947 के बाद इन पर स्थानीय स्तर पर गंभीर शोध नहीं हुआ और इनका उपयोग मुख्यतः विदेशी विद्वानों तक सीमित रहा। यदि स्थानीय शोधकर्ताओं को प्रशिक्षित किया जाता है, तो यह स्थिति बदल सकती है और पाकिस्तान स्वयं अपनी बौद्धिक धरोहर का संरक्षक बन सकता है।

संस्कृत को अक्सर केवल हिंदू धार्मिक ग्रंथों की भाषा के रूप में देखा जाता है, और इसी कारण डॉ. रशीद को अपने निर्णय पर सवालों का सामना करना पड़ा। पर उनका उत्तर अत्यंत प्रासंगिक है–यह पूरे क्षेत्र को जोड़ने वाली भाषा है। पाणिनि का गांव इसी भूभाग में था; सिंधु घाटी सभ्यता के समय यहाँ व्यापक लेखन और बौद्धिक गतिविधियां थीं। संस्कृत को एक पर्वत की तरह सांस्कृतिक धरोहर मानते हुए अपनाने का उनका आग्रह संकीर्ण धार्मिक पहचान से ऊपर उठकर साझा इतिहास को स्वीकार करने का संदेश देता है। इस पहल के निहितार्थ केवल शिक्षा तक सीमित नहीं हैं। यह भारत और पाकिस्तान के बीच सांस्कृतिक संवाद के नए द्वार खोल सकती है। राजनीतिक मतभेदों के बावजूद, दोनों देशों की ऐतिहासिक

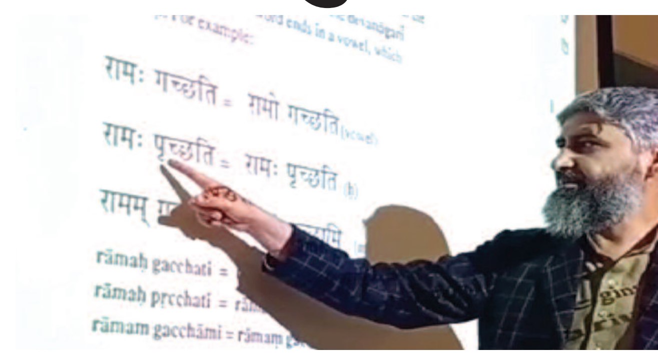

जड़ें और भाषाई परंपराएं एक–दूसरे से जुड़ी हैं। संस्कृत का अध्ययन इस साझा अतीत को समझने और सम्मान देने का माध्यम बन सकता है। इससे अकादमिक सहयोग, पांडुलिपि संरक्षण और संयुक्त शोध परियोजनाओं की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। आलोचक यह तर्क दे सकते हैं कि पाकिस्तान की शिक्षा प्रणाली पहले ही संसाधनों की कमी से जूझ रही है, ऐसे में शास्त्रीय भाषाओं पर ध्यान व्यावहारिक नहीं है। पर यह दृष्टिकोण अल्पकालिक है। किसी भी समाज की बौद्धिक मजबूती उसकी जड़ों से जुड़ाव पर निर्भर करती है। शास्त्रीय भाषाएं आलोचनात्मक सोच, भाषिक अनुशासन और सांस्कृतिक आत्मबोध को मजबूत करती हैं। यह निवेश दीर्घकाल में ही सही, पर समाज को बौद्धिक रूप से समृद्ध बनाता है। अंततः, पाकिस्तान में संस्कृत की वापसी एक साहसिक अकादमिक प्रयोग है, जो यह सिद्ध करता है कि ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती। यह पहल न केवल अतीत की उपेक्षित धरोहर को पुनर्जीवित करती है, बल्कि भविष्य के लिए संवाद, सह–अस्तित्व और साझा विरासत की राह भी प्रशस्त करती है। यदि यह प्रयास निरंतरता और संस्थागत समर्थन के साथ आगे बढ़ता है, तो यह उपमहाद्वीप में शास्त्रीय अध्ययन के पुनर्जागरण का महत्वपूर्ण अध्याय बन सकता है। यह आवश्यक है कि इस पहल को केवल एक वैकल्पिक या प्रतीकात्मक पाठ्यक्रम तक सीमित न रखा जाए। यदि पाकिस्तान की शैक्षणिक संस्थाएं वास्तव में अपनी बौद्धिक विरासत को पुनः खोजने के प्रति गंभीर हैं, तो संस्कृत अध्ययन को शोध, अनुवाद और पांडुलिपि संरक्षण से जोड़ा जाना चाहिए। विश्वविद्यालयों में अंतरविषयक कार्यक्रम विकसित किए जा सकते हैं, जिनमें इतिहास, दर्शन, पुरातत्व और भाषाविज्ञान के छात्र संस्कृत ग्रंथों के माध्यम से क्षेत्र की सभ्यता को समझ सकें। इससे न केवल अकादमिक गुणवत्ता बढ़ेगी, बल्कि वैश्विक स्तर पर पाकिस्तानी शोध की विश्वसनीयता भी मजबूत होगी। डिजिटल युग में संस्कृत पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण एक महत्वपूर्ण कदम हो सकता है। पंजाब विश्वविद्यालय सहित अन्य पुस्तकालयों में सुरक्षित रखी ताड़–पत्र पांडुलिपियां समय और उपेक्षा के कारण नष्ट होने की कगार पर हैं। यदि इन्हें संरक्षित कर ऑनलाइन उपलब्ध कराया जाए, तो दुनिया भर के विद्वान इस ज्ञान–कोष से जुड़ सकेंगे। इससे पाकिस्तान एक बार फिर ज्ञान–परंपरा के वैश्विक मानचित्र पर अपनी उपस्थिति दर्ज करा सकता है। समाज के स्तर पर भी इस पहल को समझने की आवश्यकता है। भाषा को धर्म के संकीर्ण दायरे में बांधने की प्रवृत्ति ने उपमहाद्वीप को लंबे समय तक विभाजित रखा है। संस्कृत का अध्ययन यह संदेश देता है कि ज्ञान किसी एक आस्था की बपौती नहीं होता। जिस प्रकार फारसी और अरबी ने इस्लामी सभ्यता को समृद्ध किया, उसी प्रकार संस्कृत ने इस भूभाग की प्राचीन चेतना को आकार दिया। इन सभी परंपराओं को अपनाना किसी भी समाज को अधिक समावेशी और आत्मविश्वासी बनाता है।

विचार विण्डो

धुरंधर एक संकेत है हिंदी सिनेमा के बदलाव का

महेन्द्र तिवारी

आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म "धुरंधर" सिर्फ एक सफल स्पाई–एक्शन फिल्म नहीं है, बल्कि यह समकालीन हिंदी सिनेमा की उस बदलती प्रवृत्ति का संकेत भी है, जहाँ शोरगुल भरी मार्केटिंग से अधिक भरोसा कंटेंट, प्रस्तुति और दर्शकों की समझ पर किया जा रहा है। बहुत कम प्रचार–प्रसार के बावजूद जिस तरह इस फिल्म ने दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचा और बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया, वह इस बात का प्रमाण है कि अब दर्शक केवल नाम या प्रचार के सहारे नहीं, बल्कि दमदार कहानी और सशक्त अभिनय के आधार पर अपना फैसला लेते हैं।

फिल्म की कहानी एक भारतीय जासूस के इर्द–गिर्द घूमती है, जो पाकिस्तान के ल्यारी क्षेत्र में सक्रिय आतंकी नेटवर्क में घुसपैठ करता है। यह विषय नया नहीं है, लेकिन "धुरंधर" इसे जिस गंभीरता, परिपक्वता और संतुलन के साथ प्रस्तुत करती है, वही इसे भीड़ से अलग खड़ा करता है। आदित्य धर ने राष्ट्रवाद को न तो अति–भावुक नारेबाज़ी में बदला है और न ही उसे सतही एक्शन तक सीमित रखा है। फिल्म में जासूसी को एक खतरनाक, मानसिक रूप से थका देने वाली और नैतिक दुविधाओं से भरी प्रक्रिया के रूप में दिखाया गया है, जो इसे अधिक विश्वसनीय बनाता है।

रणवीर सिंह का अभिनय इस फिल्म की सबसे बड़ी ताकतों में से एक है। लंबे समय से एक बड़ी व्यावसायिक सफलता की तलाश में रहे रणवीर को "धुरंधर" ने वह मंच दिया है, जहाँ वे अपने अभिनय के साथ–साथ अपने स्टारडम को भी नए सिरे से स्थापित कर सके। उनका किरदार न तो पूरी तरह अजेय है और न ही भावनात्मक रूप से सपाट। उसमें डर है, क्रोध है, रणनीति है और सबसे अहम एक ऐसा आंतरिक संघर्ष है, जो दर्शक को उससे जोड़ता है। यह भूमिका रणवीर के करियर की उन चुनिंदा भूमिकाओं में शामिल होती है, जहाँ वे अभिनय और लोकप्रियता के बीच संतुलन साधते नज़र आते हैं।

सहायक कलाकारों की मौजूदगी फिल्म को और गहराई देती है। संजय दत्त, आर. माधवन, अक्षय खन्ना और अर्जुन रामपाल जैसे कलाकारों का चयन केवल नामों के लिए नहीं, बल्कि उनके अभिनय कौशल के लिए किया गया प्रतीत होता है। ये किरदार कहानी को आगे बढ़ाने में सहायक हैं, न कि केवल नायक की चमक बढ़ाने के लिए। खास बात यह है कि फिल्म में कोई भी चरित्र पूरी तरह काला या सफेद नहीं है; हर किसी के अपने तर्क, अपने डर और अपने स्वार्थ हैं, जो कहानी को अधिक यथार्थवादी

बनाते हैं। बॉक्स ऑफिस के आंकड़े अपने आप में "धुरंधर" की सफलता की कहानी कहते हैं। पहले दिन लगभग 28 करोड़ की कमाई, पहले तीन दिनों में 100 करोड़ का आंकड़ा पार करना और पहले हफ्ते में भारत में 200 करोड़ से अधिक का नेट कलेक्शन ये सब उस दौर में हुआ है, जब दर्शकों को सिनेमाघरों तक लाना आसान नहीं माना जाता। वर्ल्डवाइड 300 करोड़ से अधिक की कमाई ने यह साफ कर दिया कि फिल्म की अपील केवल घरेलू दर्शकों तक सीमित नहीं है। इसने कई बड़ी और बहुप्रचारित फिल्मों के पहले दिन, शुरुआती दिनों और यहां तक कि लाइफटाइम कलेक्शन के रिकॉर्ड भी पीछे छोड़ दिए।

यह सफलता इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उस धारणा को चुनौती देती है कि बिना आक्रामक मार्केटिंग के कोई फिल्म बड़े पैमाने पर सफल नहीं हो सकती। "धुरंधर" की सफलता बताती है कि अगर फिल्म का कंटेंट मजबूत हो, तो दर्शक खुद उसका प्रचार करते हैं। सोशल मीडिया पर चर्चाएं, माउथ पब्लिसिटी और समीक्षकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया ने मिलकर इस फिल्म को एक आंदोलन जैसा बना दिया। यह हिंदी फिल्म उद्योग के लिए एक सीख है कि शायद अब बजट का बड़ा हिस्सा प्रचार पर खर्च करने की बजाय लेखन, निर्देशन और अभिनय पर लगाना अधिक सार्थक हो सकता है। रणवीर सिंह के करियर के संदर्भ में "धुरंधर" एक निर्णायक मोड़ की तरह है। हाल के वर्षों में उनकी कुछ फिल्मों के औसत या कमजोर प्रदर्शन के बाद यह फिल्म उन्हें फिर से शीर्ष सितारों की पंक्ति में खड़ा करती है। यह साबित करती है कि स्टारडम केवल छवि या ऊर्जा से नहीं, बल्कि सही स्क्रिप्ट के चयन और खुद को कहानी के अनुरूप ढालने की क्षमता से टिकता है। "धुरंधर" ने रणवीर को न सिर्फ व्यावसायिक सफलता दी है, बल्कि उनके अभिनय पर लगे कुछ सवालों का भी ठोस जवाब दिया है। फिल्म का व्यापक प्रभाव यह भी है कि इसने 2025 की फिल्मों की दौड़ में मानक ऊंचे कर दिए हैं। कम समय में इतने बड़े आंकड़े छूना और कई स्थापित फिल्मों के रिकॉर्ड तोड़ना इस बात का संकेत है कि दर्शक अब गुणवत्ता को प्राथमिकता दे रहे हैं। "धुरंधर" केवल एक हिट फिल्म नहीं, बल्कि यह उस बदलाव का प्रतीक है, जहाँ हिंदी सिनेमा धीरे–धीरे दिखावे से निकलकर सार की ओर लौटता दिखाई दे रहा है। अंततः "धुरंधर" की सफलता इस विश्वास को मजबूत करती है कि सिनेमा अभी भी समाज से संवाद करने का एक सशक्त माध्यम है। जब कहानी ईमानदार हो, निर्देशन स्पष्ट हो और अभिनय विश्वसनीय हो, तब बिना शोर के भी फिल्म इतिहास रच सकती है। "धुरंधर" इसी विश्वास का जीवंत उदाहरण है एक ऐसी फिल्म जो न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर जीती है, बल्कि हिंदी सिनेमा की दिशा पर भी एक महत्वपूर्ण टिप्पणी करती है।

मेस्सी के स्वागत में उमड़ा जनसैलाब

सॉल्ट लेक स्टेडियम में मेस्सी के पहुंचते ही बेकाबू हुए फैन्स

यूनिक समय, नई दिल्ली। कोलकाता में अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर और विश्व कप विजेता कप्तान लियोनेल मेस्सी के दौरे को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिला, लेकिन यह उत्सव अव्यवस्था और खराब प्रबंधन की भेंट चढ़ गया। शनिवार को सॉल्ट लेक स्टेडियम में मेस्सी के पहुंचते ही माहौल बेकाबू हो गया और गुस्साए दर्शकों ने बोतलें व कुर्सियां फेंकनी शुरू कर दीं। पूरे स्टेडियम में जोरदार हूटिंग गूंजती रही, जिससे कार्यक्रम अराजकता में बदल गया। लियोनेल मेस्सी शनिवार तड़के करीब 2:26 बजे कोलकाता पहुंचे थे। सुबह उन्होंने लेक टाउन में स्थापित अपनी 70 फीट ऊंची प्रतिमा का वर्चुअल अनावरण किया, जिसे लेकर प्रशंसकों में खासा उत्साह रहा। इसके बाद दिन का मुख्य कार्यक्रम सॉल्ट लेक स्थित युवा भारती क्रीड़ांगन में आयोजित किया गया। सुबह से ही

हजारों फुटबॉल प्रेमी स्टेडियम के बाहर और भीतर जमा हो गए थे।

करीब 11:30 बजे जैसे ही मेस्सी स्टेडियम पहुंचे, दर्शकों में उत्साह चरम पर था। लोग अपने चहेते खिलाड़ी की एक झलक पाने को बेताब थे। हालांकि, मैदान में पहुंचते ही मेस्सी नेताओं, पूर्व फुटबॉलरों, कोचों और आयोजन समिति के सदस्यों से घिर गए। इस कारण स्टैंड में बैठे दर्शकों को उन्हें ठीक से देखने का मौका नहीं मिल सका, जिससे निराशा बढ़ने लगी। अपने संक्षिप्त स्टेडियम प्रवास के दौरान मेस्सी मुस्कुराते हुए दर्शकों का अभिवादन करते नजर आए और प्रदर्शनी मैच में शामिल पूर्व भारतीय फुटबॉलरों से मुलाकात भी की। लेकिन भीड़ नियंत्रण में नाकामी के चलते कई तय कार्यक्रम पूरे नहीं हो सके। बंगाल की संतोष ट्रॉफी विजेता टीम का सम्मान समारोह और बच्चों के लिए प्रस्तावित मेस्सी मास्टर क्लास जैसे कार्यक्रम रद्द कर दिए गए। मेस्सी के स्टेडियम से बाहर निकलते ही दर्शकों का गुस्सा फूट पड़ा। गुस्साई भीड़ ने बोतलें, पोस्टर और कुर्सियां फेंकनी शुरू कर दीं। कई दर्शकों का कहना था कि उन्होंने महंगे टिकट खरीदे, लेकिन न तो मेस्सी को नजदीक से देख पाए और न ही कार्यक्रम का पूरा आनंद ले सके। घटना के बाद पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने राज्य सरकार से पूरे आयोजन की व्यवस्थाओं पर विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या इस आयोजन में आम जनता की भावनाओं की अनदेखी कर केवल व्यावसायिक लाभ को प्राथमिकता दी गई।

70 फीट प्रतिमा का किया अनावरण शाहरुख से खास मुलाकात

कोलकाता में मेस्सी का भव्य स्वागत

यूनिक समय, नई दिल्ली। अर्जेंटीना के विश्व कप विजेता कप्तान और फुटबॉल जगत के महान खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी के आगमन से कोलकाता में उत्साह का माहौल देखने को मिला। लेक टाउन स्थित हयात रीजेंसी में आयोजित भव्य समारोह के दौरान मेस्सी की 70 फीट ऊंची प्रतिमा का वर्चुअल अनावरण किया गया। इस ऐतिहासिक आयोजन की मेजबानी पश्चिम बंगाल सरकार के मंत्री सुजीत बोस ने की, जिसमें खेल, फिल्म और उद्योग जगत की कई नामचीन हस्तियां शामिल हुईं।

वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े लियोनेल मेस्सी ने मंच से भावुक संदेश दिया। उन्होंने सबसे पहले "मुचास ग्रासियस" कहकर सभी का आभार जताया और भारत, विशेषकर कोलकाता के फुटबॉल प्रेमियों के प्रति

अपने लगाव का जिक्र किया। मेस्सी ने कहा कि कोलकाता का फुटबॉल के प्रति जुनून दुनिया भर में प्रसिद्ध है और इस तरह का सम्मान उनके लिए बेहद खास है। उनके शब्दों ने मौजूद दर्शकों को भावुक कर दिया। कार्यक्रम का सबसे खास पल तब आया, जब बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान और लियोनेल मेस्सी की मुलाकात हुई। दोनों ने मुस्कुराते हुए एक-दूसरे का अभिवादन किया और कुछ देर अनौपचारिक बातचीत भी की। मेस्सी ने शाहरुख खान के बेटे अब्राम के लिए विशेष तौर पर ऑटोग्राफ दिया, जिसे देखकर प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। इस दौरान शाहरुख खान ने अर्जेंटीना के स्टार खिलाड़ी लुइस सुआरेज़ और मिडफील्डर रोड्रिगो डी पॉल से भी मुलाकात की। कार्यक्रम में आरपीएसजी ग्रुप के चेयरमैन संजीव गोयनका भी मौजूद रहे। उन्होंने मेस्सी को भारतीय संगीत से जुड़ा एक अनोखा उपहार भेंट किया, जिसमें लता मंगेशकर, किशोर कुमार और मोहम्मद रफी जैसे महान गायकों के सदाबहार गीत शामिल थे। यह तोहफा भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान का प्रतीक रहा। इसी अवसर पर साल्ट लेक स्टेडियम में मोहन बागान और डायमंड हार्बर के बीच ऑल-स्टार प्रदर्शनी फुटबॉल मैच की शुरुआत भी हुई। जानकारी के अनुसार, मेस्सी जल्द ही मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ स्टेडियम पहुंचेंगे। कुल मिलाकर, यह आयोजन कोलकाता के फुटबॉल प्रेम और मेस्सी के प्रति अपार सम्मान का शानदार प्रतीक बन गया।

होबार्ट हरिकेंस ने रचा इतिहास

पर्थ स्कॉर्चर्स को हराकर पहली बार जीता खिताब

यूनिक समय, नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया में खेली जाने वाली महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) के 11वें सीजन को नया चैंपियन मिल गया है। होबार्ट हरिकेंस महिला टीम ने फाइनल मुकाबले में पर्थ स्कॉर्चर्स को 8 विकेट से हराकर इतिहास रच दिया। यह जीत इसलिए भी खास रही क्योंकि होबार्ट हरिकेंस ने पहली बार डब्ल्यूबीबीएल का खिताब अपने नाम किया। फाइनल मुकाबला होबार्ट के बेलेरिव ओवल स्टेडियम में खेला गया, जहां घरेलू दर्शकों के सामने टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पर्थ स्कॉर्चर्स की टीम बड़े मुकाबले के दबाव में नजर आई। निर्धारित 20 ओवरों में पर्थ की टीम 5 विकेट पर सिर्फ 137 रन ही बना सकी। होबार्ट की ओर से लिंसे स्मिथ ने कसी हुई गेंदबाजी

करते हुए पर्थ के बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। नियमित अंतराल पर विकेट गिरने से पर्थ स्कॉर्चर्स बड़ा स्कोर खड़ा करने में नाकाम रही। लक्ष्य का पीछा करने उतरी होबार्ट हरिकेंस को लिजेली ली और डेनियल व्याट-हॉज की जोड़ी ने ठोस शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 49 रनों की साझेदारी हुई। डेनियल के आउट होने के बाद नताली सिवर-ब्रंट ने लिजेली ली का बखूबी साथ निभाया। दूसरे विकेट के लिए 77 रनों की अहम साझेदारी ने मुकाबले को पूरी तरह होबार्ट के पक्ष में मोड़ दिया। लिजेली ली ने फाइनल जैसे बड़े मंच पर 77 रनों की शानदार और संयमित पारी खेली। उनके आत्मविश्वास भरे शॉट्स और समझदारी से की गई बल्लेबाजी ने टीम की जीत की राह आसान कर दी। होबार्ट हरिकेंस ने लक्ष्य को 8 विकेट रहते हासिल कर लिया और पहली बार डब्ल्यूबीबीएल ट्रॉफी उठाने का सपना पूरा किया। महिला बिग बैश लीग के समापन के बाद अब फैंस की नजरें पुरुष बिग बैश लीग पर टिकी हैं, जिसकी शुरुआत 14 दिसंबर से पर्थ स्कॉर्चर्स और सिडनी सिक्सर्स के बीच मुकाबले से होगी। डब्ल्यूबीबीएल 2025 का यह सीजन होबार्ट हरिकेंस की ऐतिहासिक जीत के साथ हमेशा याद रखा जाएगा।

नए अवतार में लौटीं अंगूरी भाभी

यूनिक समय, नई दिल्ली। टीवी के लोकप्रिय कॉमेडी शो भाभी जी घर पर हैं एक बार फिर दर्शकों को हंसाने और चौंकाने के लिए तैयार है। शो का नया अवतार भाभी जी घर पर हैं 2.0 जल्द ही ऑनएयर होने वाला है, जिसका प्रोमो सामने आते ही फैंस के बीच उत्साह बढ़ गया है। खास बात यह है कि इस नए सीजन में अंगूरी भाभी के किरदार में शिल्पा शिंदे की वापसी हुई है, जिसे देखकर दर्शक बेहद खुश नजर आ रहे हैं। शनिवार को जारी किए गए प्रोमो में अंगूरी भाभी को एक नए और रहस्यमय अंदाज में दिखाया गया है। हमेशा भोली-भाली नजर आने वाली अंगूरी इस बार हॉरर टच के साथ सामने आई हैं, जो कहानी में बड़े ट्विस्ट का संकेत देता है। प्रोमो में उनका फेमस डायलॉग 'सही पकड़े हैं' सुनकर फैंस की पुरानी यादें ताजा हो गईं। भाभी जी घर पर हैं 2.0 की कहानी इस बार एक रहस्यमय कस्बे 'घूंघटगंज' में सेट की गई है, जहां हर गली और हर किरदार के पीछे

कोई न कोई राज छिपा है। प्रोमो में श्रद्धा कपूर की फिल्म स्त्री जैसी झलक भी देखने को मिलती है, जिससे साफ है कि इस बार कॉमेडी के साथ रहस्य और डर का तड़का भी लगाया गया है। निर्माताओं ने प्रोमो शेयर करते हुए लिखा, "घूंघटगंज की गलियों से घूंघट उठाकर आ रही हैं असली से भी असली भाभी जी।" शिल्पा शिंदे की वापसी और कहानी के नए अंदाज ने शो को लेकर दर्शकों की उम्मीदें और बढ़ा दी हैं। अब देखना दिलचस्प होगा कि यह नया सीजन दर्शकों को कितना हंसा और चौंका पाता है।

हीरो से ज्यादा विलेन बनकर छाए अक्षय खन्ना

'धुरंधर' के रहमान डकैत ने फिर दिखाया दम

यूनिक समय, नई दिल्ली। अक्षय खन्ना इन दिनों फिल्म धुरंधर में अपने दमदार किरदार 'रहमान डकैत' को लेकर चर्चा में हैं। रणवीर सिंह जैसे बड़े स्टार के होते हुए भी अक्षय का अभिनय दर्शकों पर भारी पड़ता दिख रहा है। यह पहला मौका नहीं है जब उन्होंने विलेन बनकर वाहवाही बटोरी हो। उनके करियर पर नजर डालें तो साफ होता है कि हीरो की तुलना में खलनायक के रोल में अक्षय ज्यादा सफल रहे हैं।

अक्षय खन्ना ने 1997 में हिमालय पुत्र से बॉलीवुड में कदम रखा, लेकिन शुरुआत उम्मीद के मुताबिक नहीं रही। उसी साल आई बॉर्डर सुपरहिट जरूर हुई, पर यह मल्टीस्टारर फिल्म थी। इसके बाद मोहब्बत, डोली सजा के रखना, कुदरत और आ अब लौट चलें जैसी कई फिल्में फ्लॉप रहीं। 1999 में ताल ने जरूर उन्हें बतौर हीरो पहचान दिलाई, जबकि 2001 में दिल चाहता है और 2003 में हंगामा जैसी फिल्मों ने उनके करियर को मजबूती दी। हालांकि, असली टर्निंग पॉइंट 2002 में आया, जब उन्होंने हमराज में निगेटिव रोल निभाया। इसके बाद दीवानगी, रेस, ढिशूम, छावा और अब धुरंधर में उनकी खलनायकी को दर्शकों ने खूब सराहा। खास बात यह है कि उनकी लगभग सभी निगेटिव रोल वाली फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफल रहीं।

कुल मिलाकर देखा जाए तो अक्षय खन्ना का करियर इस बात का गवाह है कि उन्हें सबसे ज्यादा शोहरत और स्थिर सफलता विलेन के किरदारों से मिली। धुरंधर में रहमान डकैत के रूप में उनका मौजूदा जलवा भी इसी कड़ी को आगे बढ़ाता नजर आ रहा है।

अच्छी नौकरी करने वाली पत्नी गुजारा भत्ते की हकदार नहीं : इलाहाबाद हाईकोर्ट

यूनिक समय, इलाहाबाद। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला देते हुए स्पष्ट किया है कि आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और नौकरीपेशा पत्नी सीआरपीसी की धारा 125 के तहत गुजारा भत्ते की हकदार नहीं है। यह फैसला जस्टिस मदन पाल सिंह ने गौतम बुद्ध नगर निवासी अंकित साहा की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया।

इस मामले में परिवार न्यायालय ने पति को निर्देश दिया था कि वह अपनी पत्नी को हर महीने 5,000 रुपये गुजारा भत्ता दे। हालांकि हाईकोर्ट ने इस आदेश को रद्द कर दिया। अदालत ने पाया कि पत्नी पहले से ही लगभग 36,000 रुपये प्रति माह कमाती थी और अपने खर्चों के लिए सक्षम थी।

हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि पत्नी ने परिवार न्यायालय में खुद को बेरोजगार और असहाय बताया, जबकि वह पोस्ट ग्रेजुएट और सीनियर सेल्स कोऑर्डिनेटर के पद पर कार्यरत थी। अदालत ने इसे न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग बताया।

हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि सीआरपीसी की धारा 125 का उद्देश्य केवल उस पत्नी की सहायता करना है जो अपने भरण-पोषण में असमर्थ हो। यदि पत्नी अपनी आमदनी से सम्मानजनक जीवन यापन कर सकती है, तो वह गुजारा भत्ता की मांग नहीं कर सकती। इस फैसले को भविष्य में ऐसे मामलों के लिए महत्वपूर्ण नजीर माना जा रहा है। अदालत ने यह संदेश भी दिया कि भरण-पोषण का अधिकार जरूरत पर आधारित होना चाहिए, न कि केवल वैवाहिक संबंध पर।

ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर कोहरे ने मचाई तबाही

आधा दर्जन से अधिक वाहन टकराए, कई लोग घायल

यूनिक समय, ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में आज सुबह घने कोहरे ने सड़क पर खतरनाक स्थिति पैदा कर दी। ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर विजिबिलिटी लगभग शून्य हो गई, जिससे एक के बाद एक आधा दर्जन से अधिक वाहन आपस में टकरा गए। इस हादसे में कई लोग घायल हुए, जिन्हें तुरंत आसपास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया। पुलिस और राहत टीमें मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू कार्य में जुटी हुई हैं। हादसा बंबावड़ बादलपुर थाना क्षेत्र में हुआ। मौके पर पहुंची पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर यातायात सुचारू किया और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। हादसे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें कई कार और ट्रक आपस में टकराए हुए दिखाई दे रहे हैं। पुलिसकर्मी मौके पर वाहनों को हटाने और बचाव कार्य करने में जुटे हुए हैं।

पुलिस के अनुसार, घने कोहरे के कारण ड्राइवरों को सड़क पर देखने में भारी कठिनाई हो रही थी। इसी वजह से आधा दर्जन से अधिक वाहन एक के बाद एक टकरा गए। घायलों में कई लोग मामूली से गंभीर चोटों के साथ अस्पताल में भर्ती हैं। हादसे में घायल एक ड्राइवर ने बताया कि कोहरा इतना घना था कि कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। इसी कारण उनकी गाड़ी एक आगे खड़े वाहन से टकरा गई, जिसके बाद पीछे से कई वाहन उनकी गाड़ी में टकरा गए। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों तक उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली समेत उत्तर भारत के कई इलाकों में घने कोहरे का अलर्ट जारी किया है। पंजाब और उत्तर प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में विजिबिलिटी 50 मीटर से भी कम रह सकती है। पूर्वी दिशा से आने वाली हवा की रफ्तार कम होने के कारण कोहरे का प्रभाव और बढ़ने की संभावना है।

प्रशासन ने नागरिकों से चेतावनी दी है कि घने कोहरे में वाहन चलाते समय विशेष सावधानी बरतें, हेडलाइट चालू रखें और दूरी बनाकर चलें। इसके अलावा, सड़क पर अनावश्यक यातायात से बचने की अपील की गई है ताकि हादसों को रोका जा सके।

संपत्ति के लिए बरेली में रिश्तों का खून

बेटे-बहू पर पिता से मारपीट और अमानवीय व्यवहार का आरोप

यूनिक समय, बरेली। बरेली के इज्जतनगर थाना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां बुजुर्ग पिता ने अपने ही बेटे और बहू पर संपत्ति के लालच में प्रताड़ित करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। रहपुरा चौधरी निवासी 70 वर्षीय मुकद्दर अपने अन्य बेटों के साथ एसएसपी कार्यालय पहुंचे और बड़े बेटे शाकिर व उसकी पत्नी रिहाना के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। मुकद्दर का कहना है कि बेटा-बहू लगातार उन पर दबाव बना रहे हैं कि वे अपनी संपत्ति उनके नाम कर दें। इनकार करने पर उन्हें गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकियां दी जाती हैं। आरोप है कि कई बार उन्हें कुत्ते की जूठी रोटी तक खिलाई गई। उन्होंने बताया कि खाना मांगने पर भी उनके साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है। मुकद्दर ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ समय पहले शाकिर ने उनकी पत्नी हमीदन की बेरहमी से पिटाई की थी और सीने पर लात मारी थी। इलाज के दौरान पत्नी की मौत हो गई, जिसके बाद परिवार बिखर गया और सभी बेटे अलग-अलग रहने लगे। बुजुर्ग मुकद्दर अब छह-छह महीने अलग-अलग बेटों के यहां रहने को मजबूर हैं।

गौरतलब है कि तीन दिन पहले शाकिर ने एसएसपी कार्यालय के बाहर जहर खाने का नाटक कर पिता पर संपत्ति न देने का आरोप लगाया था। अब पिता की शिकायत के बाद मामले ने नया मोड़ ले लिया है। इज्जतनगर थाना पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और दोनों पक्षों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

मेडिकल कॉलेज में इलाज की अनदेखी से बुजुर्ग की मौत

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर स्थित मेडिकल कॉलेज से स्वास्थ्य व्यवस्था को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहां भर्ती एक बुजुर्ग महिला की इलाज के अभाव में मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि महिला पूरी रात दर्द से तड़पती रही, लेकिन बार-बार गुहार लगाने के बावजूद कोई डॉक्टर देखने नहीं आया। शनिवार सुबह इलाज न मिलने के कारण बुजुर्ग ने दम तोड़ दिया।

कादीपुर थाना क्षेत्र के शोधनपुर गांव निवासी बेबी ओझा ने बताया कि शुक्रवार शाम करीब चार बजे उनकी मां को लगातार उल्टियों की शिकायत पर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। प्रारंभिक तौर पर हल्का इलाज किया गया और इसके बाद उन्हें चौथे तल पर स्थित वार्ड में बेड पर शिफ्ट कर दिया गया। इसके बाद रातभर महिला की हालत बिगड़ती चली गई। परिजनों का कहना है कि रात के दौरान कई बार डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ को बुलाया

परिजनों का हंगामा

गया, लेकिन कोई भी चिकित्सक वार्ड में नहीं पहुंचा। बुजुर्ग महिला दर्द से कराहती रही और परिजन मदद के लिए इधर-उधर भटकते रहे। उनका आरोप है कि अगर समय रहते उचित इलाज मिल जाता तो महिला की जान बचाई जा सकती थी।

शनिवार सुबह महिला की मौत के बाद आक्रोशित परिजनों ने मेडिकल कॉलेज परिसर में हंगामा शुरू कर दिया। उन्होंने शव लेने से इनकार कर दिया और इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए जिम्मेदार डॉक्टरों व स्टाफ के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। परिजनों का यह भी कहना है कि जब उन्होंने लापरवाही का विरोध किया तो उल्टा उन्हें मुकदमा दर्ज कराने की धमकी दी गई। मोबाइल से वीडियो बनाने पर भी सुरक्षा कर्मियों ने आपत्ति जताई।

मामले पर मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सलिल श्रीवास्तव ने कहा कि पूरे प्रकरण की जांच कराई जाएगी। यदि जांच में इलाज में लापरवाही सामने आती है तो संबंधित डॉक्टरों और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं, परिजन न्याय की मांग पर अड़े हैं और दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की बात कह रहे हैं।

यूपी में शीतलहर और घना कोहरा कई जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सर्दी का असर लगातार बढ़ता जा रहा है। शनिवार सुबह राजधानी लखनऊ सहित कई जिलों में घने कोहरे के साथ दिन की शुरुआत हुई। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश के तराई और मध्य क्षेत्रों में शीतलहर का प्रभाव बना हुआ है और आने वाले दिनों में कोहरे का प्रकोप और तेज हो सकता है। बरेली, कुशीनगर, गोरखपुर और अयोध्या में दृश्यता शून्य के करीब पहुंच गई थी।

कानपुर प्रदेश का सबसे ठंडा जिला रहा, जहां न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मुजफ्फरनगर में 6.8 और अयोध्या में 7 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान रिकॉर्ड हुआ। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के अनुसार, एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हुआ है, जिसके कारण अगले तीन दिनों तक कोहरा छाया रहेगा। मौसम विभाग ने आजमगढ़, गोरखपुर, कुशीनगर, बहराइच, लखीमपुर खीरी, अयोध्या, बरेली और पीलीभीत समेत 19 जिलों में अत्यधिक घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं कई अन्य जिलों में येलो अलर्ट घोषित किया गया है। लोगों को सतर्क रहने और यात्रा में सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

महंगाई की मारः काशी में ड्राई फ्रूट्स हुए खास

पिस्ता-अंजीर से लेकर बादाम-काजू तक के बढ़े दाम

यूनिक समय, वाराणसी। वाराणसी में सर्दी बढ़ते ही ड्राई फ्रूट्स की मांग में जबरदस्त उछाल देखने को मिल रहा है। ठंड के मौसम में शरीर को गर्म रखने और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए लोग पिस्ता, अंजीर, बादाम, काजू और मखाना जैसे सूखे मेवों की ओर ज्यादा रुख कर रहे हैं। बढ़ती मांग का सीधा असर कीमतों पर पड़ा है और बाजार में ड्राई फ्रूट्स आम लोगों की पहुंच से दूर होते जा रहे हैं।

व्यापारियों के अनुसार, पिछले दो महीनों में मेवों के दाम में काफी इजाफा हुआ है। किशमिश, जो पहले 400 से 450 रुपये प्रति किलो बिक रही थी, अब 500 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई है। सबसे ज्यादा उछाल अंजीर के दाम में देखने को मिला है। काबुल से आने वाली अंजीर 900 रुपये प्रति किलो से बढ़कर 1400 रुपये प्रति

किलो तक बिक रही है। वहीं छोहाड़ा भी 150 रुपये से बढ़कर 300 रुपये प्रति किलो हो गया है। महंगाई के इस दौर में मखाना ही एक ऐसा ड्राई फ्रूट है, जिसने ग्राहकों को कुछ राहत दी है। व्यापारियों का कहना है कि बिहार से आने वाला मखाना पहले 1300 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया था, लेकिन अब इसकी कीमत घटकर करीब 1000 रुपये प्रति किलो हो गई है। बादाम और काजू भी महंगे हो गए हैं। बादाम के दाम 800 रुपये से बढ़कर 850 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गए हैं, जबकि काजू 800 रुपये से 900 रुपये प्रति किलो तक बिक रहा है। वाराणसी के विशेश्वरगंज और गोला दीनानाथ बाजार में काजू की आपूर्ति गोवा और केरल से होती है, जबकि बादाम और पिस्ता अमेरिका से आयात किए जाते हैं। अखरोट कश्मीर से और अंजीर अफगानिस्तान से आती है। व्यापार मंडल के पदाधिकारियों का कहना है कि सर्दियों में मेवों की खपत स्वाभाविक रूप से बढ़ जाती है। आने वाले दिनों में कीमतों में और उतार-चढ़ाव की संभावना है, लेकिन सेहत को प्राथमिकता देने वाले लोग महंगे दामों के बावजूद ड्राई फ्रूट्स की खरीदारी कर रहे हैं।

अयोध्या पहुंचे मुख्य चुनाव आयुक्त

रामलला के दर्शन और सरयू क्रूज यात्रा की

यूनिक समय, अयोध्या। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार शनिवार सुबह अयोध्या पहुंचे। उन्होंने परिवार के साथ दशरथ महल और कनक भवन में दर्शन-पूजन किया और रामलला का आशीर्वाद लिया। इसके बाद उन्होंने क्रूज से सरयू नदी की सैर की। दौरे को देखते हुए मंदिर और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। जिला प्रशासन ने पहले से सभी तैयारियां पूरी कर ली थीं। बताया जा रहा है कि ज्ञानेश कुमार फैजाबाद रवाना होने से पहले एसआईआर की समीक्षा बैठक भी कर सकते हैं, जिसके लिए संबंधित जिलों के अधिकारियों को अलर्ट पर रखा गया है।

सार संक्षेप

भाजपा के 16 नेता छह साल के लिए सस्पेंड

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र के वाशिम नगर परिषद चुनाव से पहले बीजेपी ने 16 बागी नेताओं को पार्टी से छह वर्षों के लिए निलंबित किया। अनुशासन तोड़ने और अधिकृत उम्मीदवारों के खिलाफ नामांकन दाखिल करने पर यह कार्रवाई की गई। भाजपा ने चेतावनी दी कि भविष्य में भी उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

नए प्रदेश अध्यक्ष पर स्वतंत्र देव का बयान

यूनिक समय, नई दिल्ली। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि पार्टी को नया नेतृत्व मिलने जा रहा है। उन्होंने बताया कि जो नए अध्यक्ष बनेंगे, वे अपने समाज और संगठन दोनों में बेहद लोकप्रिय हैं। पार्टी के लिए उन्होंने लंबे समय तक समर्पित भाव से काम किया है। उनके नेतृत्व में संगठन और मजबूत होगा और कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा आएगी।

केरल निकाय चुनाव रुझानों में यूडीएफ आगे

यूनिक समय, नई दिल्ली। केरल राज्य चुनाव आयोग के रुझानों के अनुसार स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूडीएफ बढ़त बनाए हुए है। यूडीएफ 387 वार्डों में आगे चल रहा है। वहीं एलडीएफ 283, एनडीए 71 और अन्य दल 59 वार्डों में बढ़त बनाए हुए हैं। अंतिम नतीजों का इंतजार किया जा रहा है।

संसद हमले की बरसी पर श्रद्धांजलि

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली में 2001 के संसद हमले की बरसी पर शहीद सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धांजलि दी गई। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राहुल गांधी, सोनिया गांधी और किरेन रिजिजू समेत कई सांसदों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। सभी नेताओं ने शहीदों के बलिदान को याद करते हुए नमन किया।

वोट चोरी केस में बड़ी चार्जशीट दाखिल

यूनिक समय, नई दिल्ली। वोट चोरी मामले में 22 हजार पन्नों की चार्जशीट दाखिल की गई है। इस चार्जशीट में बीजेपी के पूर्व विधायक सुभाष गुट्टेदार का नाम भी शामिल है। मामले को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। जांच एजेंसियों का कहना है कि आगे और नाम सामने आ सकते हैं।

आईएमए से पास आउट होंगे 491 कैडेट

यूनिक समय, नई दिल्ली। देहरादून स्थित भारतीय सैन्य अकादमी में पासिंग आउट परेड चल रही है। चेतवुड ड्रिल स्क्वायर में आयोजित परेड के बाद 491 कैडेट भारतीय सेना में अधिकारी के रूप में शामिल होंगे। परेड का निरीक्षण सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी कर रहे हैं। इसमें कई विदेशी कैडेट भी शामिल हैं।

19 राज्यों ने एच-1बी वीजा ट्रंप फैसले को चुनौती दी

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका में एच-1बी वीजा फीस बढ़ाने के ट्रंप के फैसले पर 19 राज्यों ने अदालत का रुख किया। कैलिफोर्निया के नेतृत्व में दायर याचिका में कहा गया कि यह कदम गैरकानूनी है और अमेरिकी अर्थव्यवस्था व आवश्यक सेवाओं पर भारी बोझ डालेगा। राज्यों ने प्रशासन के फैसले को संघीय कानून का उल्लंघन बताया।

दिल्ली में क्रिसमस और नए साल की पार्टियों में पटाखे बैन

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राजधानी में क्रिसमस और नए साल की पार्टियों के दौरान सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए बड़ा फैसला लिया है। इस साल शहर के सभी क्लब, रेस्टोरेंट और बार में पटाखे या फायरवर्क्स जलाना सख्त मना किया गया है। यह निर्णय गोवा में नाइट क्लब में हुए भीषण अग्निकांड के बाद लिया गया, जिसमें कई लोगों की मौत हुई थी।

आबकारी विभाग ने 10 दिसंबर को जारी आदेश में कहा कि लगभग 950 रजिस्टर्ड क्लब, रेस्टोरेंट और बार में कोई भी आतिशबाजी नहीं की जा सकेगी। इसके अलावा, सभी प्रतिष्ठानों को वैध फायर रखना अनिवार्य होगा। फायर सेफ्टी सिस्टम जैसे अलार्म, स्प्रिंकलर और आग बुझाने के उपकरण चालू और जांच योग्य होने चाहिए। आदेश का उल्लंघन करने पर लाइसेंस निलंबित या रद्द किया जा सकता है। सरकार ने बताया कि पटाखों और असुरक्षित फायरवर्क्स से बड़े समारोहों में आग लगने और गंभीर हादसों का खतरा रहता है। केवल पटाखों पर बैन नहीं है, बल्कि 90 वर्ग मीटर से बड़े प्रतिष्ठानों को फायर समय पर रिन्यू करना अनिवार्य है। छोटे प्रतिष्ठानों के लिए भी फायर-प्रिवेंशन उपाय सुनिश्चित करना जरूरी है। दिल्ली फाय सर्विस और नगर निगम लगातार सभी क्लब, होटल और रेस्टोरेंट के फायर सेफ्टी प्रमाणपत्र और उपकरणों की जांच कर रहे हैं। एमसीडी ने विशेष निरीक्षण अभियान शुरू किया है ताकि बिना मान्य फायर एनओसी वाले प्रतिष्ठान खुले न रहें।

प्रशासन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि भीड़ और आतिशबाजी के कारण सुरक्षा मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसमें प्रतिष्ठान का लाइसेंस रद्द करना भी शामिल है। इस कदम से राजधानी में पर्वों के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करने और किसी भी अप्रत्याशित हादसे को रोकने की कोशिश की जा रही है।

दिल्ली में हवा फिर जहरीली वायु गुणवत्ता 400 पार

यूनिक समय, नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में वायु गुणवत्ता एक बार फिर खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है। शनिवार सुबह वायु गुणवत्ता सूचकांक (वायु गुणवत्ता स्तर) 401 दर्ज किया गया, जो 'गंभीर' श्रेणी में आता है। शहर और आसपास के इलाकों में धुंध की मोटी चादर छा गई है और सांस लेना मुश्किल हो रहा है। इसके बाद वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने तत्काल प्रभाव से ग्रेडेड प्रतिक्रिया योजना लागू कर दिया।

प्रदूषण में अचानक बढ़ोतरी के कारण प्रशासन ने सभी सख्त प्रतिबंध लागू कर दिए हैं। इस चरण के तहत पुराने डीजल वाहन चलाना प्रतिबंधित किया गया है और निर्माण कार्यों पर रोक लगा दी गई है। इसके अलावा सभी सार्वजनिक और निजी निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रक उपाय अपनाना अनिवार्य किया गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार शाम 4 बजे 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता स्तर 349 था, जो 'बहुत खराब' श्रेणी में आता है। शनिवार सुबह हालात और गंभीर हो गए। विशेषज्ञों के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से हवा की गति कम होने के कारण प्रदूषण बढ़ा है। हवा की धीमी गति के चलते रविवार तक वायु

पुराने डीजल वाहन चलाना प्रतिबंधित

गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में बनी रहने की संभावना है। वायु गुणवत्ता पूर्वानुमान प्रणाली के अनुसार सोमवार से वायु गुणवत्ता अत्यंत खराब श्रेणी में पहुंच सकती है। अगले छह दिनों में भी प्रदूषण का स्तर अत्यंत खराब रहने का अनुमान है। प्रशासन ने नागरिकों को चेतावनी दी है कि सांस लेने में कठिनाई, खांसी और आंखों में जलन जैसी समस्या होने पर सावधानी बरतें। वृद्धजन, बच्चे और अस्थमा या फेफड़े की बीमारी वाले लोग बाहर निकलने से बचें। सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनना अनिवार्य किया गया है।

इस स्थिति में दिल्लीवासियों से अनुरोध किया गया है कि वे निजी वाहन कम चलाएं, निर्माण स्थलों से धूल फैलने न दें और प्रदूषण बढ़ाने वाली गतिविधियों में भाग न लें। प्रशासन ने सुरक्षा और स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए शहर में प्रदूषण नियंत्रण के लिए विशेष उपाय किए हैं।

केरल के मुनंबम में एनडीए की जीत

वक्फ विवाद से भाजपा को राजनीतिक बढ़त

यूनिक समय, नई दिल्ली। केरल के मुनंबम वार्ड में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में एनडीए ने निर्णायक जीत दर्ज की है। यह क्षेत्र लंबे समय से वक्फ बोर्ड और ईसाई समुदाय के बीच चल रहे भूमि विवाद के केंद्र के रूप में जाना जाता है। साल 2019 में केरल वक्फ बोर्ड ने लगभग 404 एकड़ जमीन को वक्फ संपत्ति घोषित किया था, जिस पर करीब 500 परिवार वर्षों से निवास कर रहे थे। इस घोषणा के बाद इन परिवारों पर बेघर होने का खतरा मंडराने लगा।

स्थानीय परिवारों ने मुनंबम लैंड प्रोटेक्शन काउंसिल के बैनर तले पिछले 400 दिनों से आंदोलन चलाया और अपनी जमीन के राजस्व अधिकार बहाल करने की मांग की। सरकार ने इस विवाद के चलते इन जमीनों पर लैंड टैक्स वसूलना भी रोक दिया था। केंद्र सरकार द्वारा वक्फ संशोधन विधेयक पारित करने के बाद यह मामला राष्ट्रीय स्तर पर भी सुर्खियों में आया। केरल हाईकोर्ट ने मुनंबम की जमीन वक्फ संपत्ति नहीं होने का फैसला सुनाया, जिसे आंदोलनकारियों की बड़ी जीत माना गया, हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले पर रोक लगाते हुए यथास्थिति बनाए रखने का

आदेश दिया।

भाजपा के महासचिव अनूप एंटनी जोसेफ ने मुनंबम में एनडीए की जीत को "ऐतिहासिक" बताया। उनका कहना है कि केंद्र की मोदी सरकार और भाजपा ने मुनंबम के लोगों का समर्थन किया और वक्फ बोर्ड के कथित अवैध दावे के खिलाफ उनकी लड़ाई में खड़ा रहा। यही वजह है कि जनता ने इस बार एनडीए को अपना जनादेश दिया।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यह जीत केरल में 2026 विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा के लिए बड़ी बढ़त साबित हो सकती है। मुनंबम में सफलता से पार्टी को नई ऊर्जा मिली है और यह तिरुवनंतपुरम नगर निगम में भी अपनी पकड़ मजबूत करने में सहायक होगी। कांग्रेस के लिए यह चुनौती है, क्योंकि यह क्षेत्र पूर्व सांसद शशि थरूर का गढ़ माना जाता है। कुल मिलाकर, मुनंबम में एनडीए की जीत ने केरल की राजनीतिक तस्वीर बदलने की संभावना बढ़ा दी है।

ज्वेलरी दुकान में ग्राहक को आया हार्ट अटैक, सीपीआर से बची जान

यूनिक समय, नई दिल्ली। राजस्थान के कोटा शहर में रामपुर बाजार की एक ज्वेलरी दुकान में आए ग्राहक राजकुमार सोनी को अचानक सीने में तेज दर्द उठा और वे जमीन पर गिर पड़े। स्थिति बेहद गंभीर थी, लेकिन दुकानदार वरुण जैन और उनके कर्मचारियों ने तुरंत सीपीआर देकर उनकी जान बचाई। यह पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। घटना के अनुसार, राजकुमार सोनी ज्वेलरी का काम दिखाने आए थे, तभी अचानक उनकी हालत बिगड़ गई और वे बेहोश होकर गिर पड़े। दुकानदार और कर्मचारी घबराए बिना तुरंत उनकी सांसें सामान्य करने के लिए सीपीआर शुरू कर दी। साथ ही दुकान में मौजूद इमरजेंसी दवा भी दी गई। कुछ ही मिनटों में उनकी हालत सुधर गई और उन्हें आगे जांच के लिए डॉक्टर के पास भेजा गया। इस घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया कि समय पर सही

कदम उठाना जीवन रक्षक साबित हो सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि हार्ट अटैक के बढ़ते मामलों को देखते हुए लोगों को सीपीआर और प्राथमिक उपचार की जानकारी होना अत्यंत जरूरी है। तनाव, गलत जीवनशैली और नियमित मेडिकल जांच न कराना हार्ट अटैक के मुख्य कारण माने जा रहे हैं। इस घटना ने न केवल दुकानदार की सूझबूझ को उजागर किया, बल्कि समाज में प्राथमिक उपचार के महत्व को भी रेखांकित किया।

खटीमा में युवक की हत्या के बाद हंगामा

यूनिक समय, नई दिल्ली। उत्तराखंड के खटीमा में एक युवक की हत्या के बाद शनिवार को इलाके में भारी तनाव देखने को मिला। शुक्रवार रात रोडवेज परिसर में दो पक्षों के बीच हुई कहासुनी हिंसक झड़प में बदल गई। चाकूबाजी के दौरान 23 वर्षीय तुषार शर्मा की मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को नाजुक हालत में उच्च चिकित्सा केंद्र भेजा गया। तुषार शर्मा की मौत की खबर फैलते ही परिजनों और स्थानीय लोगों में गुस्सा फैल गया। शनिवार को आक्रोशित भीड़ ने हमलावरों की दुकान

दुकानों में आग, धारा 163 लागू

में आग लगा दी, जिससे अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रशासन ने स्थिति को काबू में करने के लिए धारा 163 लागू की और पुलिस बल को इलाके में तैनात किया। बजरंग दल समेत स्थानीय लोगों ने आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की। बजरंग दल के जिला संयोजक हिमांशु ने चेतावनी दी कि जब तक आरोपी पकड़े नहीं जाते या उनकी संपत्ति पर कार्रवाई नहीं होती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

शिवराज सिंह चौहान के खिलाफ आईएसआई कर रही प्लानिंग

यूनिक समय, नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मध्य प्रदेश के कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को लेकर गंभीर सुरक्षा इनपुट मिलने के बाद उनकी सुरक्षा कड़ी कर दी है। मंत्रालय को सूचना मिली थी कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई उनके खिलाफ योजना बना रही है। इस अलर्ट के बाद भोपाल और दिल्ली स्थित उनके आवासों पर अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए।

गृह मंत्रालय ने सुरक्षा की चाक चौबंद

शिवराज सिंह चौहान पहले से ही जेड+ सुरक्षा में हैं, जो भारत में उच्चतम सुरक्षा स्तर माना जाता है। इस श्रेणी में उनके सुरक्षा घेरे में करीब 50 से 55 प्रशिक्षित जवान तैनात रहते हैं, जिसमें एनएसजी कमांडो भी शामिल होते हैं। आईएसआई से संबंधित इनपुट के बाद उनकी सुरक्षा में और इजाफा किया गया है। सुरक्षा एजेंसियां अब उनके हर मूवमेंट पर पैनी नजर रख रही हैं।

हालांकि, बढ़े हुए सुरक्षा अलर्ट के बावजूद शिवराज सिंह चौहान अपने सार्वजनिक कार्यक्रम जारी रखे। हाल ही में वे भोपाल में पौधारोपण कार्यक्रम में शामिल हुए और सोशल मीडिया पर तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल पेड़ लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और हरित वातावरण तैयार करने का प्रयास है।

इस बीच, गृह मंत्रालय और राज्य सुरक्षा एजेंसियां सतर्कता बनाए हुए हैं और मंत्री की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर आवश्यक कदम उठा रही हैं।

उत्तर प्रदेश ने देश के अन्य राज्यों की तुलना में कैसी प्रगति की, पर्यटन और पर्यावरण पर कैसा काम किया, 18 राज्यों से सामाजिक-आर्थिक तुलना

राज्यों की प्रगति, अमीरी से लेकर पर्यटन और हरियाली तक तुलना

पर्यटनः उत्तर प्रदेश पहली पसंद, राजस्थान 5वें, मप्र 9वें स्थान पर

तरक्कीः तेलंगाना सबसे अमीर, बिहार सबसे गरीब

हरियालीः केरल सर्वाधिक हरा, झारखंड में सबसे ज्यादा जंगल घटे

यूनिक समय, नई दिल्ली। देश के 18 बड़े राज्यों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति, पर्यटन और पर्यावरणीय प्रगति के तुलनात्मक अध्ययन की रिपोर्ट के मुताबिक प्रति व्यक्ति घरेलू उत्पाद (पीसीजीडीपी) के मामले में तेलंगाना देश में सबसे अमीर राज्य बनकर उभरा है, जबकि बिहार सबसे गरीब राज्य है। तेलंगाना का प्रति व्यक्ति घरेलू उत्पाद 3.87 लाख रुपये दर्ज किया गया है। इसके बाद कर्नाटक (3.80 लाख), तमिलनाडु (3.61 लाख), हरियाणा (3.53 लाख) और महाराष्ट्र (3.09 लाख रुपये) शीर्ष पांच में शामिल हैं। बिहार में यह आंकड़ा मात्र 69 हजार रुपये है।
पर्यटन के मोर्चे पर उत्तर प्रदेश ने बड़ा उछाल दर्ज किया है। राम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा और मथुरा में बांके बिहारी मंदिर के बाद 2024 में यूपी में पर्यटकों की संख्या बढ़कर 64.68 करोड़ हो गई, जो एक साल पहले 47.85 करोड़ थी। यानी सालाना आधार पर 35.17% की वृद्धि हुई। प्रतिशत वृद्धि के मामले में झारखंड सबसे आगे रहा, जहां घरेलू पर्यटकों की संख्या 51% बढ़ी।
संख्या के आधार पर राजस्थान 23 करोड़ पर्यटकों के साथ पांचवें स्थान पर रहा, जबकि मध्य प्रदेश 13.31 करोड़ पर्यटकों के साथ नौवें स्थान पर है।
पर्यावरण और हरियाली के आंकड़ों में केरल सबसे आगे है, जहां कुल भौगोलिक क्षेत्र का 54.52% हिस्सा फॉरेस्ट कवर है। उत्तराखंड (45.44%) और छत्तीसगढ़ (44.05%) इसके बाद आते हैं। रिजर्व बैंक के अनुसार पिछले दो वर्षों में उत्तर प्रदेश ने 10 वर्ग किलोमीटर नए जंगल लगाए, जो देश में सबसे अधिक हैं। गुजरात, राजस्थान और हरियाणा भी इस सूची में आगे रहे। हालांकि झारखंड में सबसे ज्यादा 30 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र घटने की बात सामने आई है। कुल मिलाकर रिपोर्ट बताती है कि राज्यों की प्रगति एक-सी नहीं है। कहीं आर्थिक मजबूती और पर्यटन का विस्तार दिखता है, तो कहीं पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक विकास बड़ी चुनौती बने हुए हैं।

राष्ट्रीय लोक अदालत में लोगों की उमड़ी भीड़

भारी संख्या में लोक अदालत में निपटाए गए मामले

राष्ट्रीय लोक अदालत में एक स्टॉल पर अपने मामलों को निस्तारण कराते लोग।

यूनिक समय, मथुरा। दिसंबर में आज लगने वाली इस साल की आखरी राष्ट्रीय लोक अदालत जिला न्यायालय परिसर में आयोजित की गई। लोक अदालत का शुभारंभ जिला जज विकास कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। लोक अदालत में बड़ी संख्या में वादों का आपसी सुलह समझौते के आधार पर निस्तारण किया गया। शनिवार को जिला न्यायालय परिसर में लगाई गई राष्ट्रीय लोक अदालत में अपने मामलों को निस्तारित कराने के लिए बड़ी संख्या में लोग कोर्ट में आए। कोर्ट में आम दिनों

हर किसी को अपने मामले निपटाने की थी जल्दी

की अपेक्षा लोगों की भारी भीड़ नजर आई।
लोक अदालत में आज दीवानी, फोजदारी, मोटर दुर्घटना दावा, पारिवारिक विवाद, चेक बाउंस, बैंक ऋण बिजली, जल कल, नगर निगम राजस्व विभाग प्राइवेट फाइनेंस कंपनियों से संबंधित मामलों को निपटाने के लिए उन सभी विभागों के अधिकारी और कर्मचारियों ने अपने-अपने स्टॉल लगा कर वहां आने वाले लोगों के मामलों को आपसी सहमति के साथ निपटाने का प्रयास किया। बड़ी संख्या में लोग अपने वाहनों के चालानों का निस्तारण कराने के लिए आए हुए थे। इसके साथ ही लोक अदालत में इस तरह की व्यवस्था की गई थी कि वहां आने वाले किसी भी वादी को परेशानी न हो। न्यायालय परिसर में सुरक्षा के व्यापक प्रबंध नजर आए।

लोक अदालत त्वरित न्याय का अच्छा साधनः डीजे

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय लोक अदालत के उद्घाटन के दौरान जिला जज विकास कुमार ने कहा कि लोक अदालत आमजनों के लिए सस्ता व सुलभ और शीघ्र न्याय प्राप्त करने का एक अच्छा माध्यम है। उन्होंने बताया कि लोक अदालत में मामलों का निस्तारण तुरंत और सौहार्दपूर्ण वातावरण में होता है। जिससे समय और धन दोनों की बचत होती है। आपसी सहमति से निस्तारित मामलों में अपील की कोई गुंजाइश नहीं रहती है। इससे विवादों का स्थाई समाधान संभव होता है।

अभियुक्त को रिमांड पर लेकर तमंचा किया बरामद

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में गिरफ्तार अभियुक्त को रिमांड पर लेकर उसके कब्जे से तमंचा कारतूस बरामद किए हैं। कोतवाली पुलिस ने हमलावर महेश पहलवान निवासी उस्फार द्वारा तमंचे से गोली चलाकर हत्या का प्रयास करने के मामले में मुकदमा दर्ज किया था। अभियुक्त ने पुलिस की गिरफ्तारी से बचने के लिए कोर्ट में सरेंडर कर दिया।
मामले की विवेचना कर रहे उप निरीक्षक को जब इस बात का पता लगा तो उसने न्यायालय से अभियुक्त से हत्या के प्रयास में प्रयुक्त देशी तमंचा 315 बोर व कारतूस बरामद करने के लिए रिमांड लिया। पुलिस ने अभियुक्त महेश पहलवान को रिमांड पर लेकर उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त देशी तमंचा कारतूस बरामद कर लिए।

मंदिरों की नगरी में जाम ही जाम

प्रमुख संवाददाता

सड़क पर लोगों का पैदल चलना हुआ मुश्किल

यूनिक समय, वृंदावन। मंदिरों की नगरी शनिवार को जाम से कराह उठी। सुबह से लेकर देर सायं तक कहीं न कहीं जाम में फंसे वाहनों की लंबी कतार से राहगीरों को सड़क पर चलना मुश्किल हो गया। नए साल आने में अभी करीब एक पखवाड़ा है, लेकिन उससे पहले मंदिरों की नगरी में श्रद्धालुओं की भीड़ से जाम की नौबत आ रही है। सुनरख तिराहा से लेकर रमणरेती पुलिस चौराहा तक जाम में फंसे वाहनों की ऐसी लंबी लाइन थी कि लोगों का पैदल चलना मुश्किल हो रहा था।
ट्रैफिक पुलिस के प्लान धराशायी होते नजर आए। इसी तरह से अटल्ला चुंगी चौराहा और पागल बाबा मंदिर के निकट भी जिला संयुक्त चिकित्सालय के तिराहे पर पुलिस कर्मी वाहनों की लंबी लाइन से जूझते नजर आए।

300 ग्राम अवैध गांजे के साथ गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। थाना मगोर्रा पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 300 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। पुलिस ने बीती रात चेकिंग के दौरान ओल रोड ईट टाल के समीप से अभियुक्त सुंदर लाल निवासी शामेर मौहल्ला थाना फतिहाबाद जनपद फतिहाबाद हरियाणा को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 300 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीसी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

किशोरी को भगा कर लाते हुई बाइक दुर्घटना ग्रस्त

यूनिक समय, मथुरा। थाना महावन के बरेली एक्सप्रेस वे पर नगला जंगली के समीप गुरुवार की देर रात बाइक सवार एक युवक और किशोरी को किसी वाहन टक्कर मार दी थी। दुर्घटना में किशोरी की मौत हो गई। किशोरी के परिवारीजनों को जब उसकी सड़क दुर्घटना में मौत का पता लगा तो वह मथुरा मोरचरी पर आए। परिवार के लोगों का कहना है कि किशोरी को युवक अपने साथ घर से भगा कर ले जा रहा था। पुलिस को इस बात की आशंका है कि युवक को लगा होगा कि उसका पीछा तो नहीं हो रहा है। इसके चलते उसने बाइक को स्पीड दी होगी जिससे दुर्घटना हो गई। इस मामले पुलिस जांच कर रही है।

दुर्घटना में युवक की मौत, दो घायल

यूनिक समय, कोसीकलां, मथुरा। राष्ट्रीय राजमार्ग 19 पर नंदगांव पुल पर एक बाइक से जाते तीन युवकों को किसी वाहन ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में एक की मौत हो गई। दो का इलाज चल रहा है। अनिल कुमार (25) निवासी लालकुंआ बदरपुर पेटोल पंप के पीछे अपने साथी शैलेश (23) और पंकज (26) के साथ बाइक से जा रहा था। राष्ट्रीय राजमार्ग पर नंदगाव पुल के समीप बाइक को किसी वाहन ने टक्कर मार दी।
दुर्घटना में तीनों लोग घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल अनिल कुमार की इलाज के दौरान मौत हो गई। दोनों साथियों को कम चोटें आईं। पुलिस ने युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मथुरा-कासगंज रेल मार्ग पर गांधीधाम एक्सप्रेस का इंजन फेल

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा-कासगंज रेल मार्ग पर शनिवार की शाम उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब मथुरा से कासगंज की ओर जा रही गांधीधाम एक्सप्रेस का इंजन अचानक फेल हो गया। तकनीकी खराबी के चलते ट्रेन मथुरा लक्ष्मीनगर क्षेत्र में खड़ी हो गई, जिससे रेल यातायात करीब दो घंटे से अधिक समय तक पूरी तरह बाधित रहा। इस दौरान सैकड़ों यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। गांधीधाम एक्सप्रेस के रास्ते में रुक जाने के कारण पीछे से आ रही और आमने-सामने की कई ट्रेनों को विभिन्न स्टेशनों पर रोकना पड़ा। कासगंज से मथुरा की ओर आ रही कामाख्या एक्सप्रेस को राया रेलवे स्टेशन पर रोक दिया गया, जिससे यात्रियों को स्टेशन पर लंबा इंतजार करना पड़ा। वहीं गोरखपुर से अहमदाबाद जा रही ट्रेन को सोनई रेलवे स्टेशन पर खड़ा रखा गया। इसके अतिरिक्त टनकपुर से आने वाली ट्रेन मथुरा स्टेशन पर दो घंटे से अधिक समय तक खड़ी रही, जबकि आगरा

दो घंटे से अधिक बाधित रहा यातायात

फोर्ट से कासगंज जाने वाली पैसेंजर ट्रेन एक घंटे से ज्यादा देरी से चली। अन्य कई ट्रेनों के आगमन और प्रस्थान समय में भी विलंब हुआ, जिससे यात्रियों में नाराजगी देखी गई। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे के तकनीकी कर्मचारी मौके पर पहुंचे और इंजन को ठीक करने का प्रयास शुरू किया गया। काफी मशक्कत के बाद वैकल्पिक व्यवस्था कर ट्रेन को आगे रवाना किया गया, तब जाकर रेल यातायात धीरे-धीरे सामान्य हो सका। मथुरा छावनी स्टेशन प्रभारी हेमराज मीना ने बताया कि गांधीधाम एक्सप्रेस के इंजन में तकनीकी खराबी आ जाने के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई। इंजन में आई खराबी को दूर करने के बाद ट्रेनों का संचालन बहाल कर दिया गया है। रेल मार्ग बाधित रहने से खासतौर पर बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

शनि देव मंदिर की गुल्लक को तोड़कर चोर ले गया हजारों रुपये

यूनिक समय, वृंदावन। कैलाश नगर आवासीय कॉलोनी के गेट के सामने मथुरा-वृंदावन मार्ग स्थित शनिदेव मंदिर की गुल्लक तोड़कर चोर कई हजार रुपये चुराकर ले गया। मंदिर के पुजारी श्याम जोशी का कहना है कि वह आज सुबह मंदिर खोलने के लिए आए तो लोहे की गुल्लक का ताला टूटा देखकर अवाक रह गए। चोर उसमें से कई हजार रुपये की नकदी और गुल्लक का ताला भी साथ ले गया। इससे पहले लुटेरिया मंदिर से भी चोर ने घुसकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया था।
चोर हनुमान जी के चांदी के मुकुट को चुराकर ले गया। पुलिस अभी तक इस चोरी की वारदात का खुलासा नहीं कर पाई कि चोर ने शनिदेव मंदिर को भी निशाना बना डाला।

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित। कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा। संपादक-पवन गौतम। फोन नंबर-0565-2420150, मो। 9837155888 E-mail : newsuniquesamay@gmail.com website : uniquesamay.com सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा। RNI-UPHIN/2023/85053